मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, गुरुवार, 25 जून 2026

संवत 2083, शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल 10 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 281 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ संविधान की हत्या करने वालों का गजब तमाशा

जैकलीन के बॉडीगार्ड से नाराज हुए फैंस ◀◀ 6

आचार संहिता उल्लंघन मामले में मुख्यमंत्री को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, उनके खिलाफ दर्ज केस निरस्त

मेट्रो रेज

रांची : सीएम हेमंत सोरेन की ओर से सरायकेला खरसांवा के आदित्यपुर थाना में दर्ज प्राथमिकी (418/2014) को चुनौती देने वाले क्रिमिनल रिट की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अनिल कुमार चौधरी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बड़ी राहत देते हुए उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द कर दी

सीएम की ओर से अधिवक्ता दीपांकर ने पक्ष रखा। बता दें कि मामले में पूर्व में कोर्ट ने निचली अदालत में चल रही ट्रायल की कार्यवाही पर रोक लगाई थी।

क्या है मामला : प्रार्थी हेमंत सोरेन ने अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने की मांग को लेकर याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि वर्ष 2014 में चुनाव के दौरान वह अपनी पार्टी के प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार करने गए थे। उन्होंने आचार संहिता का उल्लंघन नहीं किया था। उस दौरान उन पर आचार संहिता उल्लंघन का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

इस मामले की सुनवाई पश्चिम सिंहभूम की निचली अदालत में चल रही है। प्रार्थी ने अदालत में चल रही कार्रवाई पर रोक लगाने व उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने की मांग की है। बता दें कि आदित्यपुर थाना में दर्ज प्राथमिकी में हेमंत सोरेन को आईपीसी की धारा 188,506 और 125 आरपी एक्ट (रिप्रेजेंटेशन ऑफ पीपल एक्ट) की धाराओं में आरोपी बनाया गया है।

रामगढ़ में भीषण सड़क हादसा

बस ने ऑटो में मारी टक्कर,दो की मौत, दो गंभीर, मची अफरा- तफरी

संवाददाता

रामगढ़: रामगढ़-बोकारो मुख्य मार्ग एनएच 23 पर बारलौंग में बुधवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में ऑटो चालक समेत दो लोगों की मौत हो गई। जबकि आधा दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और करीब आधे घंटे तक सड़क जाम रहा।

मिली जानकारी के अनुसार यात्रियों से भरा एक ऑटो गोला से रामगढ़ की ओर जा रहा था, इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही बस ने ऑटो को जबरदस्त टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और ऑटो बस के अंदर समा गया। उसमें सवार सभी चार ड्राइवर समेत यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। चारों घायलों को रामगढ़ सदर अस्पताल लाया गया, जहां एक महिला और एक पुरुष को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया, जिसमें ऑटो चालक और सुकरीगढ़ा निवासी रिया कुमारी है। बताया गया कि रिया किसी पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रामगढ़ जा रही थी।

जबकि रविरंजन भारती एवं अमित कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों पतरातू रेलवे में लोको पायलट हैं। रवि रंजन भारती ने बताया कि मुरी से ड्यूटी करके वापस पतरातू लौट रहे थे। इसी दौरान दोनों वाहनों की आमने सामने टक्कर हो गई। दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार सदर अस्पताल रामगढ़ में किया गया फिर रांची रेफर कर दिया गया।

इधर, घटना की सूचना मिलते ही रजरप्पा थाना प्रभारी कृष्ण कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने बस और क्षतिग्रस्त ऑटो को जब्त कर लिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है।

इमरजेंसी ड्यूटी में कार्यरत डॉक्टर कमलेश्वर प्रसाद ने बताया कि चार मरीजों को एक साथ लाया गया था, उनमें से दो की मौत हो चुकी थी, जबकि बाकी दो गंभीर रूप से घायल थे और शुरूआती इलाज के बाद उन्हें रांची रेफर कर दिया गया। दोनों की हालत गंभीर है।

डोमचांच में हाथियों ने मचाया उत्पात

महिला को कुचलकर मार डाला घरों को पहुंचाया नुकसान

कोडरमा: जिले के डोमचांच नगर पंचायत क्षेत्र में हाथियों के झुंड ने बीती रात जमकर उत्पात मचाया। हाथियों ने दुरोडीह और तेतरियाडीह गांव में कई घरों की दीवारों को क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया। हाथियों के गांव में घुसने की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने बम-पटाखे फोड़कर उन्हें भगाने का प्रयास किया। इसके बाद हाथियों का झुंड तेतरियाडीह की ओर बढ़ गया। भय के कारण ग्रामीण पूरी रात जागकर पहरा देते रहे।

इसी दौरान हाथियों का झुंड तेतरियाडीह होते हुए खरीटांड पहुंच गया, जहां एक महिला को कुचलकर मार डाला। घटना की जानकारी गुरुवार सुबह उस समय मिली, जब ग्रामीण टहलने के लिए निकले। लोगों ने एक महिला का शव पड़ा देखा। पास जाकर देखने पर शव क्षत-विक्षत अवस्था में मिला। घटनास्थल के पास टॉर्च, चप्पल और झोला भी बरामद हुआ। मृतका की पहचान तेतरियाडीह निवासी सुदामा देवी (पति- केदार मेहता) के रूप में हुई है। मृतका के पुत्र पंकज कुमार मेहता ने बताया कि उनकी मां सुबह करीब पांच बजे खेत-बाड़ी देखने के लिए घर से निकली थीं। इसी दौरान हाथियों के झुंड की चपेट में आ गईं। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी अभिमन्यु पडिहारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे और मामले की जानकारी ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कोडरमा सदर अस्पताल भेज दिया है। घटना के बाद क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथियों के आतंक से निजात दिलाने तथा प्रभावित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एरिया फॉमूर्ला बैठक में भारत की पाक को लताड़, कहा-

कश्मीर हमारा था, है और हमेशा रहेगा

न्यूयार्क/एजेंसी: भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एरिया फॉमूर्ला बैठक में पाकिस्तान की क्लास लगाई है। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने जम्मू और कश्मीर पर पाकिस्तान की टिप्पणियों को पूरी तरह खारिज कर दिया। भारत के स्थायी प्रतिनिधि हरीश पर्वतनेनी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है और यह भारत का आंतरिक मामला है। पर्वतनेनी ने पाकिस्तान पर संयुक्त राष्ट्र के मंच का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया और कहा कि इसने भारत के जम्मू-कश्मीर इलाके पर गैर-जरूरी टिप्पणियां कीं। भारतीय राजदूत ने एरिया फॉमूर्ला बैठक में यूएनएससी के प्रस्ताव और अंतरराष्ट्रीय शांति व सुरक्षा बनाए रखने को लेकर बयान के दौरान यह बात कही।

इस दौरान उन्होंने कहा कि यह हैरानी की बात है कि सह अध्यक्ष होने के बावजूद पाकिस्तान ने एरिया फॉमूर्ला बैठक का राजनीतिक करण किया और भारत के जम्मू-कश्मीर इलाके पर गैर जरूरी टिप्पणियां कीं। उन्होंने जोर देकर कहा कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का मामला पूरी तरह से भारत का आंतरिक मामला है। यह हमेशा से ऐसा ही रहा है, अभी भी है और आगे भी ऐसा ही रहेगा।

संयुक्त राष्ट्र चार्टर लागू करने पर दिया जोर: पी हरीश ने संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के चैप्टर-5 और चैप्टर -7 के लागू होने के अलग-अलग तरीकों पर जोर दिया। चैप्टर-7 शांति के लिए किसी खतरे, शांति भंग होने या आक्रामकता की कार्रवाई को रोकने और अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए उपायों के बारे में है, जिसमें सैन्य कार्रवाई और शांति सैनिकों की तैनाती भी शामिल है। पी हरीश ने कहा कि चैप्टर-7 के तहत की जाने वाली कार्रवाई मौजूदा हालात और संदर्भ को ध्यान में रखकर तय की जाती है और ये हमेशां के लिए लागू नहीं रहतीं। उन्होंने कहा कि अगर इन्हें लागू नहीं किया जाता है तो इसके तुरंत गंभीर नतीजे हो सकते हैं, जिससे शांति और बिगड़ सकती है और अन्य गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। ऐसा न करना उन सिद्धांतों और उद्देश्यों के खिलाफ है, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून का ढांचा पूरा करने की कोशिश करता है।

अयोध्या के राम मंदिर पर हमले का प्लान, पकड़ा गया संदिग्ध आतंकवादी

बेंगलुरुः कर्नाटक के दावणगेरे जिला में उत्तर प्रदेश के एक 20 वर्षीय युवक की गिरफ्तारी के साथ ही अयोध्या के राम मंदिर पर हमले की एक कथित साजिश को नाकाम कर दिया गया। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी।आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर के रहने वाले सुहैल के तौर पर हुई है। उसे हरिहर से गिरफ्तार किया गया, जहां वह कथित तौर पर पिछले 15 दिनों से एक फैक्टरी में काम कर रहा था। जांचकर्ताओं का दावा है कि संदिग्ध ने अयोध्या मंदिर को निशाना बनाने की योजनाओं पर चर्चा की थी और उसके मोबाइल फोन से बरामद

आपत्तिजनक सामग्री की जाँच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, उसके डिवाइस पर हथियार लिए हुए आरोपी की तस्वीरें, पाकिस्तानी फोन नंबरों से जुड़े संपर्क और राम मंदिर पर हमले का ज़िक्र करने वाली कथित ऑडियो क्लिप मिली हैं।

अधिकारियों ने बताया कि कुछ रिकॉर्डिंग में मंदिर में धमाका करने के बारे में उर्दू-मिश्रित हिंदी में बातचीत शामिल है। दावणगेरे के पुलिस अधीक्षक एचटी शेखर ने बताया कि शुरूआती जांच से पता चला है कि सुहेल के पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों से कथित संबंध थे और वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए संदिग्ध आतंकवादियों के संपर्क में था। हरिहर के पास रहने वाले एक संदिग्ध व्यक्ति के बारे में मिली जानकारी के आधार पर यह गिरफ्तारी की गई। पुलिस की एक टीम ने संदिग्ध का पता लगाया और उसे हिरासत में ले लिया, जिसके बाद उसे आगे की जांच के लिए तुमकुरु पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस ने बताया कि यह गिरफ्तारी इस महीने की शुरूआत में गिरफ्तार किए गए दो संदिग्ध आतंकी ऑपरेटिव्स (दावणगेरे में जमीर खान और तुमकुरु में अल्लाह बख्श) से पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर की गई।

पटना-रांची और गया-हावड़ा वंदे भारत एक ही पटरी पर दौड़ी, पायलट ने लगाया इमरजेंसी ब्रेक, बड़ा हादसा टला

हजारीबागः कोडरमा-धनबाद रेलखंड पर बुधवार शाम बड़ा रेल हादसा टल गया। चालकुशा प्रखंड के दशहरा ब्लॉक हॉल्ट के समीप एक ही डाउन ट्रैक पर चल रही दो वंदे भारत ट्रेनें करीब 50 मीटर की दूरी तक पहुंच गईं। समय रहते चालक की सतर्कता और सूझबूझ से ट्रेन रोक दी गई, जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया। गया-हावड़ा और पटना-रांची वंदे भारत एक ही लाइन पर थीं: चौबे स्टेशन के स्टेशन मास्टर संजय कुमार ने बताया कि दोनों ट्रेनें डाउन लाइन पर चल रही थीं। इनमें आगे गया-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस (20894) थी, जबकि उसके पीछे पटना-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस (22306) चल रही थी। किसी कारणवश पीछे चल रही पटना-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस आगे वाली ट्रेन के काफी करीब पहुंच गई। इससे कुछ समय के लिए रेल महकमे में हलचल मच गई। आधुनिक सिग्नल प्रणाली ने दिया खतरे का संकेतः रेल अधिकारियों के अनुसार, नई सिग्नल प्रणाली के तहत लोको पायलट को तत्काल सतर्कता संबंधी संकेत प्राप्त हुआ। खतरे का संकेत मिलते ही चालक ने तुरंत ब्रेक लगाकर ट्रेन की गति नियंत्रित की और उसे रोक दिया।

रिम्स डायरेक्टर ने दिया इस्तीफा, अधिकारिक पुष्टि नहीं

रांची : झारखंड के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स के डायरेक्टर डॉ राजकुमार के इस्तीफा देने की खबर आ रही है। रिम्स डायरेक्टर के इस्तीफा की खबर से रिम्स में हड़कंप मच गया है। बता दें कि बुधवार को सीआईडी की टीम एडमिशन और टेंडर में फजीवाड़े की जांच के लिए रिम्स पहुंची थी। उसके बाद डायरेक्टर के इस्तीफे की खबर आ रही है। बता दें कि सीआईडी की टीम ने रिम्स निदेशक को 7 घंटे बैठा कर पूछताछ की थी। रिम्स डायरेक्टर के इस्तीफे की विभाग ने पुष्टि नहीं की है।

तारातला हादसा : मलबे से तीन और शव बरामद, मृतकों की संख्या हुई आठ, अभी और बढ़ सकता है आंकड़ा

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के तारातला इलाके में हुए भीषण हादसे के 20 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है। गुरुवार सुबह मलबे के नीचे से तीन और शव बरामद किए गए, जिसके बाद इस दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 7 हो गई है। इससे पहले बुधवार रात तक मृतकों की संख्या 5 थी। इस मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गोदाम के मालिक शंभूनाथ बहरा को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही अब तक इस हादसे से जुड़े मामले में कुल तीन लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

घटनास्थल पर राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीमें लगातार राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। एनडीआरएफ की दूसरी बटालियन के कमांडेंट मनीष रंजन ने आईएएनएस से बताया कि अब तक 16 लोगों को सुरक्षित जीवित बाहर निकाला जा चुका है। वहीं, ढही हुई संरचना से पांच अचेत अवस्था में लोगों को भी बाहर निकाला गया है।

वेनेजुएला में भूकंप से भारी तबाही

10 हजार से 1 लाख तक मौत की आशंका अब तक 32 लोगों के मौत की पुष्टि

नई दिल्ली/ एजेंसीः वेनेजुएला में बुधवार को लगातार आए दो शक्तिशाली भूकंपों ने लोगों को दहशत में डाल दिया। सिर्फ 39 सेकंड के अंतराल में आए इन भूकंपों के बाद कई इलाकों से नुकसान की तस्वीरें सामने आईं, जिनमें सड़कों में बड़ी दरारें, इमारतों में टूट-फूट और लोग सुरक्षित जगहों की ओर भागते हुए दिखाई दिए। यूएसजीएस के शुरूआती अनुमान के मुताबिक, इस आपदा में मृतकों की संख्या 10 हजार से लेकर 1 लाख तक पहुंच सकती है।

अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के मुताबिक, पहला भूकंप 7.2 तीव्रता का था, जो सैन फेलिप के पास आया। यह जगह राजधानी काराकस से करीब 284 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। यह झटका 22:04 जीएमटी पर दर्ज किया गया। इसके ठीक 39 सेकंड बाद इससे भी ज्यादा शक्तिशाली 7.5 तीव्रता का भूकंप आया। यह झटका यूमारे के पास महसूस किया गया, जो काराकस से लगभग 293 किलोमीटर पश्चिम में है।

सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में सड़कों के बीच गहरी दरारें नजर आईं। वहीं, एक एयरपोर्ट टर्मिनल में मौजूद यात्री जमीन हिलते ही बाहर की ओर भागते दिखे। राजधानी काराकस में एक ऊंची इमारत की छत पर बने स्विमिंग पूल से पानी बाहर गिरने का वीडियो भी सामने आया।

39 सेकंड में आए दो बड़े झटके: यूएसजीएस ने इसे अर्थक्वेक डबलट यानी दो जुड़े हुए भूकंपों की घटना बताया। संस्था ने कहा, यह ७.५ तीव्रता वाले इस मुख्य भूकंप से 39 सेकंड पहले 7.2 तीव्रता का शुरूआती झटका आया था। दोनों भूकंप एक-दूसरे से करीब 45 किलोमीटर की दूरी पर आए और दोनों की गहराई भी अलग-अलग थी। इसके झटके पूरे वेनेजुएला और पड़ोसी देश कोलंबिया के कई हिस्सों में महसूस किए गए।

वेनेजुएला की राष्ट्रपति डेल्सी रोडरिगुएज ने कहा है कि देश में आए 2 भीषण भूकंप में अब तक कम से कम 32 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हो गई है।। मरने वालों का आंकड़ा काफी ज्यादा बढ़ सकता है। कम से कम 700 लोगों के घायल होने की पुष्टि हो गई है। वहीं आशंका जताई जा रही है कि मरने वालों की संख्या 10 हजार के आंकड़े को पार कर सकती है।

वहीं, पीएम मोदी ने वेनेजुएला में आए महाविनाशकारी भूकंप पर दुख जताता है और कहा है कि भारत हर संभव मदद के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत की ओर से मैं वेनेजुएला सरकार से दुख व्यक्त करता हूं। खासतौर पर उन लोगों से जिन्होंने अपने करीबी लोगों को खो दिया। हम घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत संकट की इस घड़ी में वेनेजुएला की जनता के साथ खड़ा है। भारत हर संभव मदद देने के लिए तैयार है।

समाचार सार

ऑपरेशन सतर्क के तहत पकड़ी गई शराब

मुरी: ऑपरेशन सतर्क के तहत फ्लाइंग टीम रांची एंवं आरपीएफ पोस्ट मुरी द्वारा मुरी रेलवे स्टेशन एवं ट्रेनों में अवैध वस्तुओं, दलालों, असामाजिक तत्वों तथा संदिग्ध गतिविधियों के विरुद्ध सघन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या एक पर न्यू फुट ओवर ब्रिज के निकट एक व्यक्ति सफेद रंग का भारी बोरा लेकर संदिग्ध अवस्था में घूमता हुआ पाया गया। संदेह के आधार पर उसे रोककर पूछताछ की गई। पूछताछ के क्रम में उसके पास से शराब बरामद की गयी।

बिरसा कॉलेज में मूलभूत सुविधाओं व छात्र सुरक्षा को लेकर एबीवीपी ने आचार्य को सौंपा ज्ञापन

खूंटी: अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की खूंटी जिला इकाई ने बिरसा कॉलेज में छात्रहित, मूलभूत सुविधाओं एवं छात्र सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं को लेकर प्रभारी प्राचार्य डॉ. चंद्र किशोर भगत को ज्ञापन सौंपा। जिला संयोजक हिरंजली हेमरॉम के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन के दौरान प्रदेश मंत्री प्रकाश टुटी सहित कई छात्र प्रतिनिधि उपस्थित रहे। ज्ञापन में परिषद ने कॉलेज परिसर में अग्निशमन व्यवस्था की जांच, अग्निशामक यंत्रों की कार्यशीलता सुनिश्चित करने, कर्मचारियों को फायर सेफ्टी प्रशिक्षण देने तथा मॉक ड्रिल आयोजित कराने की मांग की। हाल के अग्निकांडों का उल्लेख करते हुए परिषद ने छात्र सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। इसके अलावा शुद्ध पेयजल की उपलब्धता, छात्र-छात्राओं के शौचालयों की नियमित सफाई, लंबे समय से बंद कंप्यूटर कक्ष को पुनः चालू करने, पुस्तकालय में दैनिक समाचार पत्र एवं प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पत्र-पत्रिकाएं उपलब्ध कराने, कॉमन रूम को व्यवस्थित करने तथा परिसर की साफ-सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग भी उठाई गई।

जिला संयोजक हिरंजली हेमरॉम ने कहा कि परिषद पूर्व में भी कई बार छात्रहित से जुड़े मुद्दों को प्रशासन के समक्ष रख चुकी है, लेकिन अधिकांश समस्याओं का समाधान नहीं हो पाया है। वहीं प्रदेश मंत्री प्रकाश टुटी ने कहा कि सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, पुस्तकालय एवं डिजिटल शिक्षा जैसी सुविधाएं किसी भी शैक्षणिक संस्थान की प्राथमिक आवश्यकता हैं। ज्ञापन प्राप्त करने के बाद प्रभारी प्राचार्य डॉ. चंद्र किशोर भगत ने मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। एबीवीपी ने चेतावनी दी है कि यदि सात दिनों के भीतर समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस पहल नहीं की गई, तो छात्रहित में चरणबद्ध लोकतांत्रिक आंदोलन चलाया जाएगा। ज्ञापन कार्यक्रम में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मधुवा मुंडा, सुखराम हेमरॉम सहित परिषद के कई कार्यकर्ता एवं छात्र प्रतिनिधि मौजूद थे।

प्रेम प्रसंग में अधेड़ की पीट-पीटकर हत्या

चतरा: जिले के लावालौंग थाना क्षेत्र के बघमारी गांव में बुधवार की तड़के एक शादीशुदा अधेड़ का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान हूटरु टोला निवासी अजय गंझू (45 वर्ष) के रूप में हुई है। परिजनों ने एक महिला के परिजनों पर पीट-पीटकर हत्या करने का आरोप लगाया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मामला एक महिला से कथित प्रेम प्रसंग से जुड़ा है। मृतक की पत्नी लीला देवी ने बताया कि गांव की एक महिला के साथ उनके पति का प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस बात को लेकर एक बार पंचायत भी हुई थी। 25 जून को सुबह का नाश्ता कर पति घर से निकले। रात तक घर नहीं लौटने पर काफी खोजबीन की गई परन्तु वह नहीं मिले। रात करीब 11: 30 बजे गांव के रूपलाल गंझू,गोपाल गंझू और कैलाश गंझू एवं चार लोग अजय को अधमरा कर घर के सामने छोड़ गए। बताया कि मारपीट की घटना के बाद उसके पति की मौत हो गई। मृतक के शरीर और पीठ पर चोट के गहरे निशान मिले हैं। थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के पश्चात परिजनो को सौंप दिया है। उन्होंने बताया कि मृतक की पत्नी लीला देवी के आवेदन पर तीन नामजद एवं चार अन्य के खिलाफ कांड संख्या 41/26 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

हंटरगंज के केंदली में मोहर्रम की तैयारी जोरों पर,ताजिया निर्माण में जुटे ग्रामीण

चतरा: जिले के हंटरगंज प्रखंड के केंदली स्थित बिहारी गांव में इमाम हुसैन की शहादत की याद मनाए जाने वाले पर्व मुहर्रम की तैयारी जोरों पर चल रही है। गांव में धार्मिक आस्था और उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। एक ओर जहां कारीगर पारंपरिक ताजिया निर्माण में दिन-रात जुटे हुए हैं, वहीं दूसरी ओर कर्बला स्थल की साफ-सफाई और जुलूस मार्ग की व्यवस्थाओं को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है।

मोहर्रम इस्लाम धर्म का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की कर्बला में दी गई महान शहादत की याद में मनाया जाता है। सत्य, न्याय और इंसानियत की रक्षा के लिए दिए गए इस सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धापूर्वक याद करते हुए हर वर्ष मोहर्रम का आयोजन किया जाता है। केंदली गांव में ताजिया निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। ताजिया को आकर्षक और भव्य रूप देने के लिए कारीगरों के साथ-साथ गांव के बच्चे, युवा और बुजुर्ग भी बढ़-चढ़कर सहयोग कर रहे हैं। गांव के लोग सामूहिक रूप से इस आयोजन को सफल बनाने में जुटे हुए हैं।ग्रामीणों के अनुसार, आगामी 26 जून को मोहर्रम का ताजिया जुलूस निकाला जाएगा। इसके पश्चात ताजियों को हंटरगंज कर्बला में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।

राशन वितरण, आधार सीडिंग व ई-केवाईसी कार्य में तेजी लाने के निर्देश

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय टास्क फोर्स (आपूर्ति) की बैठक संपन्न

संवाददाता

खूंटी: उपायुक्त मो जावेद हुसैन की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय स्थित सभागार में जिला स्तरीय टास्क फोर्स (आपूर्ति) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राशन आपूर्ति, खाद्यान्न वितरण, आधार सीडिंग, ई-केवाईसी, राशन कार्ड तथा आपूर्ति विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) एवं झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना (जेएसएफएसएस) के तहत विभिन्न श्रेणी के राशन कार्डधारियों को उपलब्ध कराए जा रहे खाद्यान्न वितरण की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने सभी जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकानदारों को समय पर खाद्यान्न उठाव सुनिश्चित करने तथा लाभुकों के बीच निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न का ससमय वितरण करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को नियमित रूप से पीडीएस दुकानों का निरीक्षण करने एवं वितरण व्यवस्था की सतत निगरानी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि लाभुकों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और खाद्यान्न वितरण में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। बैठक में राशन कार्डधारियों के आधार एवं मोबाइल नंबर सीडिंग कार्य की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने इस कार्य में तेजी लाने तथा सभी पात्र लाभुकों का शत-प्रतिशत ई-केवाईसी कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं पीडीएस डीलरों को दिए।

उन्होंने कहा कि ई-केवाईसी और आधार सीडिंग कार्य पूर्ण होने से योजनाओं का लाभ सही एवं पात्र लाभुकों तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी तथा वितरण प्रणाली अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनेगी।

बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी सहित आपूर्ति विभाग के अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

युवती के साथ सामुहिक दुष्कर्म मामले में दोनों गिरफ्तार

चतरा: टंडवा थाना क्षेत्र के आम्रपाली कोल परियोजना से प्रभावित एक गांव में मानसिक रूप से विक्षिप्त एक 18 वर्षीय युवती के साथ सामुहिक रूप से दुष्कर्म करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यह घटना सोमवार की शाम सात बजे के आसपास की बताई जाती है। पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी पप्पू शर्मा ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी हजारीबाग जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र के पचड़ा गांव के ड्राइवर अर्जून साव तथा लिफ्टर बिहार निवासी कन्हैया कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस मामले में पुलिस ने बुधवार को पीड़िता को मेडिकल जांच के चतरा भेजा है। जानकारी के अनुसार आम्रपाली से प्रभावित एक गांव में सोमवार की शाम केरेडारी थाना के पचड़ा निवासी अर्जून साव (30 वर्ष) पिता चुरामन साव तथा बिहार निवासी कन्हैया कुमार (29 वर्ष) स्व अशोक राम पीड़िता के घर के आसपास थे। पीड़िता की मां के अनुसार पीड़िता घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान उपरोक्त दोनों आरोपी जबरन पीड़िता को घर के बगल में स्थित सुनसान झाड़ियों के पीछे ले गये और दोनों ने बारी बारी से दुष्कर्म किया और फरार हो गये।

पुण्यतिथि पर याद किए गए स्वतंत्रता सेनानी बाबूराम नारायण सिंह

माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता

चतरा: हंटरगंज प्रखंड के डुमरी स्थित रामनारायण स्मारक महाविद्यालय परिसर में बुधवार को महान स्वतंत्रता सेनानी बाबूराम नारायण सिंह की 62वीं पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षत्रिय महासभा के जिला अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार केशरी उर्फ कुरकुर सिंह ने की।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हंटरगंज के पूर्व प्रमुख कमल कुमार केशरी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. फहीम अहमद और समाजसेवी सरदार प्रताप सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत स्वतंत्रता सेनानी बाबूराम नारायण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई।उपस्थित लोगों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।वक्ताओं ने बाबूराम नारायण सिंह के संघर्षपूर्ण जीवन और स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि बाबूराम नारायण सिंह का जन्म 19 दिसंबर 1885 को हुआ था। वे कट्टर गांधीवादी विचारधारा के समर्थक थे और सामाजिक सुधार के साथ-साथ खादी के प्रचार-प्रसार में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।वक्ताओं ने बताया कि वर्ष 1920-21 में महात्मा गांधी की बिहार यात्रा के दौरान बाबूराम नारायण सिंह ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद, जयप्रकाश नारायण, अनुग्रह नारायण सिन्हा, श्रीकृष्ण सिंह और कृष्ण बल्लभ सहाय जैसे नेताओं के साथ सामाजिक जागरूकता व स्वदेशी आंदोलन को मजबूत करने का कार्य किया। उन्होंने जयपाल सिंह मुंडा और ओपान मांझी जैसे संथाल नेताओं के साथ भी जनहित के मुद्दों पर काम किया।वर्ष 1921 में महात्मा गांधी के आग्रह पर उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। ब्रिटिश हुकूमत उनकी गतिविधियों पर विशेष नजर रखती थी। उनके साहस, संघर्ष और जननेतृत्व के कारण उन्हें छोटा नागपुर केसरी और छोटा नागपुर शेर के नाम से भी जाना जाता था।मौके पर सरदार मनोहर सिंह, कौशलेंद्र कुमार, मो. रेयाज, डुमरीकला मुखिया प्रतिनिधि समरेश कुमार उर्फ पिंटू सिंह, पूर्व जिप सदस्य जय हिंद पासवान, पूर्व प्राचार्य अरविंद कुमार सिंह, प्रोफेसर ओम प्रकाश नीलेंदु, विधायक प्रतिनिधि जगरनाथ पासवान, खूंटीकेवाल खुर्द मुखिया बृजकिशोर सिंह समेत सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

20 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार

चतरा: एसपी अनिमेष नैथानी के नेतृत्व में चतरा पुलिस मादक पदार्थ की तस्करी के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में बुधवार को गिद्धौर पुलिस ने थाना क्षेत्र के बघमरी गांव के समीप 20 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। सिमरिया अनुमंडल कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में सिमरिया एसडीपीओ शुभम भाऊसाहेब ने बताया कि 23 जून की संध्या गिद्धौर थाना पुलिस नियमित गश्ती पर थी। इसी दौरान बघमरी स्थित चतरा-हजारीबाग मुख्य मार्ग के किनारे एक युवक संदिग्ध परिस्थिति में घूमता दिखाई दिया। पुलिस वाहन को देखते ही वह भागने लगा। उसके हाव-भाव और भागने की कोशिश से संदेह होने पर पुलिस बल ने तत्काल पीछा कर उसे धर दबोचा।पूछताछ में युवक ने अपनी पहचान रिजवान अंसारी (19 वर्ष) पिता इरफान अंसारी, दुआरी, थाना गिद्धौर, जिला चतरा के रूप में बताई। तलाशी के दौरान उसके पास से सफेद कागज में लिपटा लगभग 20 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया। साथ ही एक मोटोरोला कंपनी का स्मार्टफोन भी जब्त किया गया।एसडीपीओ ने बताया कि बरामद मादक पदार्थ एवं अन्य सामान को विधिवत जब्त कर आरोपी के विरुद्ध गिद्धौर थाना कांड संख्या 78/2026 दर्ज किया गया है। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मुहर्रम सुरक्षा का महाप्लान

मॉक ड्रिल से परखी गई तैयारी ,फ्लैग मार्च से दिया भरोसे का संदेश

सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों को कड़ी चेतावनी

संवाददाता

चतरा: मुहर्रम को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला पुलिस ने व्यापक सुरक्षा तैयारियों का खाका अंतिम रूप दे दिया है। पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी के निर्देश पर पुलिस लाइन परिसर में विशेष मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। वहीं शहर के विभिन्न इलाकों में फ्लैग मार्च निकालकर आमजन को सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया तथा असामाजिक तत्वों को कानून का सख्त संदेश दिया गया।चतरा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सन्नी वर्धन के नेतृत्व में आयोजित मार्क ड्रिल के दौरान अंचल अधिकारी अनिल कुमार तथा सदर थाना प्रभारी अवधेश कुमार सिंह उपस्थित रहे। आयोजित मॉक ड्रिल के दौरान पुलिस बल ने विभिन्न आपात परिस्थितियों से निपटने की रणनीति का अभ्यास किया। जवानों को भीड़ नियंत्रण, त्वरित कार्रवाई, संवेदनशील क्षेत्रों में हस्तक्षेप तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए स्पष्ट किया कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। संवेदनशील स्थलों की विशेष निगरानी की जा रही है तथा अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती भी सुनिश्चित की गई है।मॉक ड्रिल के उपरांत शहर के प्रमुख मार्गों, बाजारों और चौक-चौराहों पर फ्लैग मार्च निकाला गया। मार्च में शामिल पुलिस बल ने लोगों से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की। फ्लैग मार्च का उद्देश्य आम नागरिकों में विश्वास कायम करना तथा उपद्रवी तत्वों को यह संदेश देना था कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ तत्काल और कठोर कार्रवाई की जाएगी।एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने कहा कि पर्व-त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए पुलिस पूरी सतर्कता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पुलिस की विशेष निगरानी रहेगी तथा किसी भी सूचना पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी पुलिस की पैनी नजर बनी हुई है। भड़काऊ पोस्ट, अफवाह या सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले संदेश प्रसारित करने वालों की पहचान कर उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लोगों से अपील की गई है कि किसी भी अपुष्ट सूचना को साझा न करें तथा शांति एवं भाईचारे की परंपरा को मजबूत बनाएं।पुलिस प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि पर्व के दौरान सादे लिबास में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है, जो भीड़भाड़ वाले इलाकों और संवेदनशील स्थलों पर निगरानी रखेंगे। संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल नियंत्रण कक्ष तक पहुंचाई जाएगी ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।जिला प्रशासन और पुलिस का कहना है कि मुहर्रम आस्था, अनुशासन और सामाजिक एकता का प्रतीक पर्व है। सभी समुदायों के सहयोग से इसे शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने की दिशा में व्यापक तैयारियां की गई हैं। प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि कानून का सम्मान करने वालों को पूरा सहयोग मिलेगा, जबकि माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई तय किया गया है।

पासिंग आउट परेड में शामिल हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, कहा-

पुलिस की वर्दी सिर्फ नौकरी नहीं बल्कि राज्य व समाज की सुरक्षा का दायित्व है

मेट्रो रेज

रांची : पासिंग आउट परेड के दौरान सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि पुलिस बल में आना सिर्फ एक सरकारी नौकरी पाना नहीं है, बल्कि राज्य की सुरक्षा और आम जनता की सेवा का एक बड़ा संकल्प है। वर्दीधारियों की जिम्मेदारी सिर्फ खुद तक सीमित नहीं है। वे अब व्यवस्था का हिस्सा हैं और पूरे राज्य की सुरक्षा के रक्षक हैं। कर्तव्य पथ पर जान का जोखिम भी उठाना पड़ सकता है। सरकारी तंत्र में रहते हुए हर बड़ी चुनौती को झेलना और उसका समाधान निकालना ही मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। जवानों का उत्साह

बढ़ाने के लिए राज्य सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है।

पुलिसकर्मियों के बच्चों के लिये अलग से स्कूल की व्यवस्था: हेमंत सोरेन ने कहा कि पुलिस विभाग के बच्चों के लिए विशेष स्कूल बनाए जा रहे हैं। साथ ही पुलिस विभाग के लिए अलग से स्वास्थय सुविधाएं स्थापित करने पर भी तेजी से काम चल रहा है। इस दौरान उन्होंने पुलिसकर्मियों के बेहतर प्रदर्शन और साहस की सराहना की।

हर परिस्थिति से निपटने के लिये तैयार पुलिसकर्मी: इस दौरान आईपीएस प्रिया दुबे ने डीएसपी और पुलिसकर्मियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन जवानों को उग्रवाद से निपटने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह से तैयार कर लिया गया है। प्रिया दुबे ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान जवानों को हर परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार किया गया है। सभी प्रकार के आधुनिक हथियारों को चलाने का गहन अभ्यास कराया गया। अचूक निशानेबाजी के लिए लाइव फायरिंग और कठिन क्षेत्रों में अभियान चलाने के लिए मैप रीडिंग की ट्रेनिंग दी गई है। मानवाधिकारों की रक्षा और पुलिस कर्तव्यों का पाठ पढ़ाया गया। उग्रवाद के खिलाफ आईपीएस प्रिया दुबे ने विश्वास जताया कि यह बैच उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई में बेहद सक्षम साबित होगा।

9वी मोहर्रम को रांची में अंजुमन जाफरिया का मातमी जुलूस निकलेगा आज

गुलाम शाहिद

रांची: रांची में मुहर्रम पर्व 26 और 27 जून को मनाया जाएगा। शिया समुदाय 26 को तो सुन्नी समुदाय 27 जून को जुलूस निकालेंगे।आज नवीं मोहर्रम का मातमी जुलूस निकाला जायगा। सैयद फराज अब्बास ने बताया कि शिया समुदाय का मुहर्रम को 9 शबे आशुर का 'मातमी' जुलूस रात आज 9:30 बजे विश्वकर्मा मंदिर लेन मेन रोड पर स्थित सैयद यावर हुसैन के अनवर आर्केड अवास से शुरू होगा।

इसी दौरान मोहर्रम की आठवीं तारीख पर बुधवार देर रात को अंजुम जाफरिया के तत्वावधान में हजरत अली के पुत्र हजरत अब्बास की शहादत की याद में अलम का मातमी जुलूस निकाला गया। जुलूस मस्जिद जाफरिया से निकलकर चर्च रोड, डॉक्टर फतेउल्लाह रोड होते हुए वापस मस्जिद जाफरिया लौटा। अलम का जुलूस जैसे ही मस्जिद जाफरिया से निकाला गया, या अब्बास, हाय अब्बास की सदा से इलाका गूंज उठा। जुलूस की अगुवाई मौलाना हाजी सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने की। मौके पर अकीलुर्रहमान, मो इस्लाम, सैयद निहाल अहमद, सागर कुमार, सोहेल सईद, तारीक अहमद सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। इससे पूर्व मस्जिद जाफरिया में मजलिस इमामे हुसैन का आयोजन हुआ। इस मजलिस को हाजी मौलाना सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने संबोधित किया। उन्होंने लश्कर-ए-हुसैनी के कमांडर हजरत अब्बास के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इमामे हुसैन के मजबूत बाजू का नाम हजरत अब्बास था। हजरत अब्बास अपने पिता की तरह बड़े बहादुर थे। उनकी शहादत कर्बला में हुई। इसी याद में पूरी दुनिया में हजरत अब्बास का अलम निकाला जाता है।

मुहर्रम के दिन बदली रहेगी रांची की ट्रैफिक व्यवस्था

मेट्रो रेज

रांची: इस वर्ष मुहर्रम पर्व दिनांक-27.06.2026 को मनाया जायेगा। राँची शहर के विभिन्न स्थानों से मुहर्रम के अवसर पर जुलूस निकाली जायेगी। जिसमें दिनांक-27.06.2026 को निजी एवं यात्री वाहनों का परिचालन विभिन्न मार्गों में पूर्वाहन 11:00 बजे से जुलूस समाप्ति तक निम्न प्रकार होगा।

*किशोरी यादव चौक से अपर बाजार महाबीर मंदिर चौक होकर शहीद चौक के तरफ सामान्य वाहनों का परिचालन बन्द रहेगा।

* शहीद चौक से अपर बाजार महाबीर मंदिर चौक के तरफ सामान्य वाहनों का परिचालन बन्द रहेगा।

* सुभाष चौक से अपर बाजार, महाबीर मंदिर के तरफ सामान्य वाहनों का परिचालन वर्जित रहेगा।

*कचहरी चौक से शहीद चौक अल्बर्ट एक्का चौक आने वाले मार्ग में सामान्य वाहनों का परिचालन वर्जित रहेगा।

*चडरी तलाब से अल्बर्ट एक्का चौक के तरफ आने वाले सामान्य वाहनों का परिचालन वर्जित रहेगा।

*प्लाजा चौक से अल्बर्ट एक्का चौक आने वाले मार्ग में सामान्य वाहनों का परिचालन वर्जित रहेगा।

* पुरुलिया रोड से सर्जना चौक आने वाले मार्ग में सामान्य वाहनों का परिचालन वर्जित रहेगा।

* एसएन गागुंली रोड/विष्णु गली/बुधिया गली एवं राधेश्याम गली से मेन रोड आने वाली सामान्य वाहनों का परिचालन वर्जित रहेगा।

*सुजाता चौक से मेन रोड़ के तरफ आने वाले सामान्य वाहनों का परिचालन वर्जित रहेगा।

*उल हाउस के पास से मेन रोड के तरफ आने वाले सामान्य वाहनों का परिचालन वर्जित रहेगा।

*कर्बला चौक से रतन पीपी चौक आने वाले सामान्य वाहनों का परिचालन वर्जित रहेगा।

*कडरू से रेडिसन ब्लू होटल होकर मेन रोड आने वाले सामान्य वाहनों का परिचालन वर्जित रहेगा।

*कमाण्डेन्ट आवास मोड़ से राजेन्द्र चौक आने वाले सामान्य वाहनों का परिचालन वर्जित रहेगा।

*मेकॉन चौक से राजेन्द्र चौक आने वाले सामान्य वाहनों का परिचालन वर्जित रहेगा।

*तुलसी चौक से अम्बेदकर चौक आने वाले सामान्य वाहनों का परिचालन वर्जित रहेगा।

राँची शहर के अन्य मार्गों में भी मुहर्रम जुलूस के अवसर पर यातायात व्यवस्था कोदेखते हुए आवश्यकतानुसार डायर्वट किया जा सकता है।

इमाम हुसैन की शहादत इंसानियत, हक और सच की राह पर चलने का पैगाम देती है : फरीद खान

गुलाम शाहिद

रांची: मोहर्रम के पावन अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता और जेएमएम के युवा नेता फरीद खान ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन (अ।स।) की शहादत पूरी मानवता के लिए एक महान संदेश है। उन्होंने कहा कि कर्बला का वाकया हमें अन्याय, अत्याचार और झूठ के खिलाफ डटकर खड़े होने तथा हक और सच के रास्ते पर चलने की प्रेरणा देता है।

फरीद खान ने कहा कि इमाम हुसैन (अ।स।) ने अपने परिवार और साथियों के साथ कर्बला के मैदान में जो कुबार्नी दी, वह इंसानियत, न्याय और सच्चाई की रक्षा के लिए थी। उनकी शहादत यह सिखाती है कि परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, सत्य और न्याय का साथ कभी नहीं छोड़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मोहर्रम केवल शोक का महीना नहीं, बल्कि आत्ममंथन, त्याग, सब्र और मानव मूल्यों को अपनाने का अवसर भी है।

प्रमुख खलीफा मो महजूद के नेतृत्व में सम्मान समारोह, प्रशासनिक अधिकारियों का हुआ अभिनंदन

रांची हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल, इसी परंपरा में निकलेगा मुहर्रम जुलूस : मो महजूद

रस्म-ए-पगड़ी का आयोजन, प्रमुख खलीफा मो महजूद ने दिया भाईचारे का संदेश

मेट्रो रेज

रांची: सेंट्रल मुहर्रम कमिटी रांची, इमाम बख्श अखाड़ा की ओर से मेन रोड स्थित कैपिटल हिल के बगल में मधुबन मार्केट में जिला प्रशासन, पुलिस अधिकारियों एवं समाज के गणमान्य लोगों के सम्मान में एक भव्य रस्म-ए-पगड़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुहर्रम की तैयारियों, आपसी सद्भाव और सामाजिक एकता का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर रांची शहर के प्रमुख खलीफा मो। महजूद के नेतृत्व में अतिथियों को पगड़ी बांधकर, मोमेंटो एवं प्रतीक स्वरूप तलवार भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमुख खलीफा मो महजूद ने किया और संचालन सेंट्रल मुहर्रम कमिटी के अकिलुर

रहमान और मो इस्लाम ने किया। सम्मानित होने वालों में एएसपी कोतवाली निखिल राय, सिटी डीएसपी के। वी। रमन, कोतवाली थाना प्रभारी सनोज कुमार, डेली मार्केट थाना प्रभारी दिग्विजय सिंह, हिंदपीढ़ी थाना प्रभारी रंजीत कुमार, लोअर बाजार थाना प्रभारी लव कुमार, श्री महावीर मंडल रांची के अध्यक्ष सागर वर्मा, पूर्व अध्यक्ष जय सिंह यादव, सेंट्रल मुहर्रम कमिटी के नवनियुक्त पदाधिकारियों सहित कई गणमान्य लोग शामिल थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रमुख खलीफा मो महजूद ने कहा कि रांची गंगा-जमुनी तहजीब और हिंदू-मुस्लिम एकता की एक जीवंत मिसाल है। यहां सभी समुदाय के लोग एक-दूसरे के पर्व और धार्मिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। उन्होंने कहा कि इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी मुहर्रम का जुलूस पूरी शांति, भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में निकाला जाएगा।

मो महजूद ने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और शहरवासियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि मुहर्रम का संदेश इंसानियत, त्याग, सब्र और सामाजिक एकता का है, जिसे मिल-जुलकर आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है। यह

कार्यक्रम इमाम बख्श अखाड़ा के सरपरस्त मो सईद भाई के सरपरस्ती में महासचिव अकीलुर्रहमान, प्रवक्ता मो इस्लाम, अध्यक्ष जमशेद अली उर्फ पप्पू गद्दी, कार्यकारी अध्यक्ष अफताब आलम, उपाध्यक्ष सह पार्षद प्रतिनिधि खालिद उमर, मो परवेज गुड्डु, सज्जाद इदरीसी, मो तौहीद, हैदर गद्दी, वसीम खान, जमील अख्तर सोनू, शोएब खान, मो मोजाहिद, अली रजा, फैसल,अली गद्दी, परवेज सहित बड़ी संख्या में अखाड़ा कमिटी के सदस्य और शहर के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

राज्य में जेलों के रिक्त पदों को हर हाल में छह महीने में भरा जाये: हाईकोर्ट

हाईकोर्ट ने गृह सचिव और जेएसएससी/जेपीएससी सचिव से 8 अक्टूबर तक मांगा अनुपालन रिपोर्ट

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य की जेलों में रिक्त पदों को भरने को लेकर सख्त रवैया अपनाया है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस सोनक एवं न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने राज्य सरकार और जेपीएससी/जेएसएससी को निर्देश दिया है कि झारखंड की जेलों में रिक्त पदों को हर हाल में 6 महीने में भरें। इस संदर्भ में 1 अप्रैल को

ही हाईकोर्ट ने सरकार को 6 माह का समय देते हुए जेलों में रिक्त पद भरने को कहा था।

खंडपीठ ने गृह सचिव और जेएसएससी/जेपीएससी सचिव के 8 अक्टूबर तक अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। अगली सुनवाई 8 अक्टूबर को होगी। खंडपीठ ने मौखिक कहा कि सरकार और जेएसएससी/जेपीएससी की ओर से राज्य के जिलों के रिक्त पदों को भरने के संबंध में वास्तविक जानकारी कोर्ट को नहीं दी जा रही है, केवल रिक्त पदों को भरने के नाम पर समय लिया जाता है।

गुरुवार को राज्य में जेलों की व्यवस्था में सुधार व मॉडल जेल मैनुअल को लेकर स्वतः संज्ञान से दर्ज जनहित याचिका की सुनवाई हुई। मामले में राज्य सरकार और जेएसएससी की ओर से कोर्ट को बताया गया कि जेल में रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया जारी है। इसके तहत जेएसएससी की ओर से असिस्टेंट जेलर, जेल वार्डर, मेडिकल नर्सिंग स्टाफ आदि कई पदों पर नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी कर दिया गया है।

जेल में पड़े कुछ अन्य पदों पर नियुक्ति के लिए अधियाचना मांगी गई है। सुनवाई के दौरान खंडपीठ को बताया गया था कि राज्य की जेलों में 81 प्रतिशत से अधिक पद खाली हैं। दरअसल जेल सुधार व मॉडल जेल मैनुअल के मामले में झारखंड हाइकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था।

भरत तिवारी मामले में दोषी पुलिसकर्मियों को मिले, फांसी की सजा: सुनील सिंह

रांची: राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह फर्जी एनकाउंटर में मारे गए भरत तिवारी की खबर सुनकर काफी मर्माहत व दुखी हैं। उन्होंने इस मामले की घोर निंदा करते हुए, उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव निवासी भरत तिवारी का फर्जी एनकाउंटर में शामिल दोषी पुलिस कर्मियों पर हत्या का मामला दर्ज कर फांसी की सजा दिए जाने, संबंधित अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई, पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा, तथा एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग राज्य सरकार अथवा केंद्र सरकार से की। उन्होंने कहा कि भरत तिवारी कोई पेशेवर अपराधी नहीं था, उनका कोई अपराधिक इतिहास नहीं रहा है। बस उनका अपराध यही था कि समाजहित में समाज को हक अधिकार दिलाने के लिए सामाजिक व जनकल्याणकारी कार्यों के प्रति पुलिस और प्रशासन के कार्यशैली से विक्षुप्त होकर मजबूरन हथियार जो उठा लिया था, उसे लगा था कि शायद

ऐसा करने से सब कुछ ठीक हो जायेगा, जो शायद उसकी गलतफहमी थी। मानता हूं कि भरत तिवारी कानून के विरुद्ध जाना गलत तरीका था, तो आखिर उसे गलत कदम अख्तियार करने के लिए विवश और मजबूर कौन किया ? फिर भी जब भरत तिवारी ने पुलिस के सामने सरेंडर करते हुए अपना हथियार फेंक दिया था। तो फिर पुलिस प्रशासन द्वारा उसे पड़कर गिरफ्तार करने की बजाय गोली मारकर हत्या कर देना, कहां का कानून है।।? दूसरी बात पुलिस पुलिस और प्रशासन के प्रति नफरत और आक्रोश बढ़ाने का कारण पुलिस द्वारा उसे झूठा पागल घोषित किया जाना रहा है आखिर पुलिस किस डॉक्टर या किस आधार पर भरत तिवारी को पागल घोषित किया गया था यह सब सवाल पुलिस प्रशासन को संदेश के घेरे में खड़ा करता है। सुनील सिंह ने कहा कि यदि भरत तिवारी अवध हथियार देसी कट्टा उठा लिया था जो गलत था। हम पुलिस प्रशासन से पूछना चाहते हैं कि पुलिस प्रशासन द्वारा (अपवाद मे यूपी पुलिस को छोड़कर वो योगी राज में) आज तक कितने देसी कट्टा बनाने वाले का एनकाउंटर किया गया कितने भूमाफियाओं खनन माफियाओं ड्रग माफियाओं बालू माफियाओं गौ तस्करों घूसखोरों तस्करों दलालों इलाहाबाद में आतंकवादियों जिहादियों उन्मादियों लाभ जिहादियों और कितने धर्मांतरण करने वालों पर एनकाउंटर किया गया यह तो पुलिस को ही पता होगा। कहा कि 5 गोली दागने वाले दोषी पुलिसकर्मियों को निलंबित नहीं, बल्कि उसे प्रखास्त कर हत्या का मुकदमा दर्ज कर फांसी दिया जाय, ताकि कोई भी इस तरह का जघन्य अपराध करने के पहले हजार बार सोचे।

नवयुवक संघ दुर्गा पूजा समिति, लोअर चुटिया की यई कमेटी का गठन

राजकुमार महतो अध्यक्ष व राधेश्याम केसरी बने मुख्य संरक्षक, शंकर दुबे चुने गये मुख्य सलाहकार

मेट्रो रेज

रांची: नवयुवक संघ दुर्गा पूजा समिति, लोअर चुटिया (महादेव मंडा) रांची की एक आम बैठक राम, लखन, जानकी स्मृति भवन (सामुदायिक भवन) महादेव मंडा, चुटिया के प्रांगण में समिति के मुख्य संरक्षक राधेश्याम केसरी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें आगामी दुर्गा पूजा महोत्सव-2026 धूमधाम से मनाने के लिए सर्व सहमति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

मुख्य संरक्षक: सर्वश्री राधेश्याम केसरी

संरक्षक: लालो महतो, छत्रधारी महतो, मदन सिंह, अरविंद कुमार, सुरेश साहू, रामलखन महतो, विजय रंजन कुमार, उदय पासवान, रविंद्र प्रसाद, श्रवन महतो, मनोज गोप, रवि गोप, दीपक चौधरी अनिल रंजन चौधरी, कैलाश केसरी, मुकेश मधुकर

मुख्य सलाहकार: शंकर दुबे

सलाहकार: जितेंद्र सिंह पटेल, स्वामी देवेंद्र प्रकाश, नेपाल महतो, अशोक साहू, अरविंद साहू, सुमित मिश्रा, महानंद किशोर, उमाकांत मराठिया, नितिन केसरी

संयोजक: मिथिलेश गोप

सह संयोजक: दिलीप कुमार साहू

अध्यक्ष: राजकुमार महतो

कार्यकारी अध्यक्ष: भोला चौधरी, विजय गोप उर्फ गुल्लू

महामंत्री: प्रमोद गोप

संगठन महामंत्री: संजय प्रसाद (मामा)

कोषाध्यक्ष: रंजीत राम

सह कोषाध्यक्ष: सुमित महतो (बुल्लू)

वरीय उपाध्यक्ष: धनंजय सिंह, रामदेव लोहरा, धर्मेंद्र सोनी, अनूप ठाकुर, बद्री विशाल, अमित साहू, संदीप चौधरी, महावीर रजक, तपन कुमार महतो, चुन्नू गोप, बादल महतो, आयुष कुमार, अजीत गोप, राजू गोप

उपाध्यक्ष: धनंजय ठाकुर, गौतम महतो, दिलीप गोप, अमित लोहरा, उपेंद्र सिंह, अंकित केसरी, रवि महतो, विक्रम साहू, रितेश गोप, शिवम सिंह, सुबोध साहू, शिवम गोप, मनीष केसरी, रवि प्रकाश गोप, गोविंद चौधरी, अमित केसरी, राजा साहू, सुधीर महतो, पंकज कुमार, सुनील कुमार महतो, श्याम कुमार महतो, अमित गोप

मंत्री: अनिल राम, धर्मवीर सिंह, भाविक यादव, दिलीप लोहरा, आलोक गुप्ता, विवेक महतो, सूरज रजक, अंकित आनंद केसरी, अमरदेव कुमार, अमन केसरी, उदय केसरी, संदीप साहू, आदित्य राज महतो, रोशन साहू, लकी नायक, आकाश साहू, सोनू साहू

संगठन मंत्री: विकास गोप, मोहन मुंडा, उमेश महतो, विजय राम, रंजीत गोप, शशि महतो, उज्जवल केसरी, मोहन महतो, संजय साहू, श्याम चौधरी, कुलदीप साहू, अमन गोप, सूरज केसरी, अमन साहू, पवन साहू, रंजीत दास, उमेश गोप, विरेंद्र गोप, अभिषेक कुमार महतो, रंजन यादव, विक्की इंदवार

अंकेक्षक: अजीत कुमार

पूजा प्रभारी: मदन मुंडा, दीपाशीष कुमार, अमर चौधरी

पंडाल प्रभारी: राजेंद्र केसरी

प्रसाद व्यवस्था प्रभारी: सुनील वर्मा, अशोक गोप, सानू कुमार ठाकुर, आदित्य साहू, सूरज साहू

लाइट- साउंड प्रभारी: नवीन महतो

विधि व्यवस्था प्रभारी: सूरज मुंडा

कार्यकारिणी सदस्य: डॉ संजय कुमार, कृष्णा गोप, काली चौधरी, निलेश चौधरी, करण कुमार महतो, मयूर चौधरी, मोहित कुमार, आर्यन महतो, आयुष केसरी, नितेश चौधरी, विष्णु मंडल, रमेश साहू, शुभम साहू, विनीत राज, यश आरव यादव।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची।

निविदा सं0-02/2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2026–2027 के लिए राँची जिला अंतर्गत वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची के अधीनस्थ सभी प्रतिष्ठान/थाना/ओ0पी0 के लिए क्रय किये जाने वाले विभिन्न सामग्रियों के लिए निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत जानकारी एवं शर्त रक्षित कार्यालय, पुलिस केन्द्र, कांके रोड, राँची से प्राप्त किया जा सकता है।

TENDER SUBMISSION DATE:-15 July 2026 (By 11.00 Hrs)

TENDER OPENING DATE :- 16 July 2026 (At 15.00 Hrs)

वरीय पुलिस अधीक्षक,
राँची।

PR 383194 (Police) 26-27 (D)

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

समान नागरिक संहिता का बाल-अधिकार दृष्टिकोण

भले ही भारत का संविधान प्रत्येक बच्चे को गरिमा, समानता, सुरक्षा और विकास का अधिकार प्रदान करता है, किंतु जब भी हम परिवार, विवाह, तलाक, उत्तराधिकार या सामाजिक परंपराओं की चर्चा करते हैं, तब प्रायः वयस्कों के अधिकारों और दायित्वों पर अधिक विचार होता है। जिसकी वाणी अक्सर सबसे कम सुनाई देती है, वे हैं हमारे बच्चे। वास्तव में किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सफलता इस बात से मापी जाती है कि वह अपने बच्चों के अधिकारों और हितों की कितनी प्रभावी रक्षा करती है। आज जब मध्यप्रदेश समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की दिशा में विचार कर रहा है, तब यह आवश्यक है कि इसका प्रारूप वैवाहिक, पारिवारिक और उत्तराधिकार संबंधी कानूनों का एकीकरण करने तक सीमित न रहे, वह बाल-अधिकारों की सुरक्षा का भी सशक्त दस्तावेज बने।

इसी दृष्टि से मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर विचार करते समय सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह होना चाहिए कि इससे हमारे बच्चों का जीवन कितना बेहतर, सुरक्षित और न्यायपूर्ण बनेगा। यूसीसी का मूल दर्शन ह्वबालक का सर्वोत्तम हितह्व होना चाहिए, क्योंकि बच्चे किसी भी विवाद, निर्णय या व्यवस्था के पक्षकार नहीं होते, किंतु उसके परिणामों से सबसे अधिक प्रभावित रहते हैं। हमारे समाज में अनेक परंपराएं और रीति-रिवाज लंबे समय से प्रचलित रहे हैं। अधिकांश परंपराएं समाज को जोड़ने का कार्य करती हैं, किंतु यदि कोई परंपरा किसी बच्चे के स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा या सम्मान में बाधक बनती है, तो वहां बच्चे के अधिकारों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। यूसीसी में यह स्पष्ट होना चाहिए कि विवाह, तलाक, अभिरक्षा, संरक्षकता, भरण-पोषण, दत्तक ग्रहण और उत्तराधिकार से जुड़े प्रत्येक निर्णय में बच्चे का सर्वोत्तम हित सर्वोपरि होगा। कोई भी धार्मिक प्रथा, सामाजिक मान्यता या व्यक्तिगत कानून बच्चे के अधिकारों से ऊपर नहीं हो सकता। एक कम उम्र की बच्ची, जिसके हाथों में किताबें होनी चाहिए, वह विवाह और मातृत्व की जिम्मेदारियों के बोझ तले दब जाती है। एक किशोर, जिसे शिक्षा और कौशल के अवसर मिलने चाहिए, वह समय से पहले वयस्क जीवन की चुनौतियों में उलझ जाता है, इसलिए यूसीसी में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 की सर्वोच्चता को पूर्ण स्पष्टता के साथ स्थापित किया जाना जरूरी है। कोई भी धर्म, मत, पंथ, समुदाय या परंपरा बाल विवाह को वैधता न दे सके। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि बाल विवाह से जन्मे बच्चों को किसी प्रकार की सामाजिक या कानूनी हानि न हो। बच्चों को उनके माता-पिता के निर्णयों की सजा नहीं मिलनी चाहिए।पति-पत्नी का संबंध टूटता है, पर उस टूटन की सबसे गहरी आवाज अक्सर बच्चे के मन में सुनाई देती है। अनेक बच्चे माता-पिता के विवादों के बीच असुरक्षा, भय, अकेलेपन और मानसिक तनाव का सामना करते हैं। कई बार वे स्वयं को ही इस टूटन का कारण मानने लगते हैं, इसीलिए यूसीसी में यह व्यवस्था होनी चाहिए कि जहां भी तलाक या वैवाहिक विवाद का मामला हो और बच्चे उससे जुड़े हों, वहां उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, निवास और भावनात्मक सुरक्षा की स्पष्ट योजना प्रस्तुत की जाए। न्यायालय आवश्यकता पड़ने पर ह्वचाइल्ड वेलफेयर इम्पैक्ट असेसमेंटह्व कर सके, ताकि यह समझा जा सके कि प्रस्तावित निर्णय का बच्चे पर क्या प्रभाव पड़ेगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी भी परिस्थिति में बच्चे को माता-पिता के संघर्ष का हथियार न बनने दिया जाए। एक बच्चा माता या पिता में से किसी एक का नहीं होता। वह दोनों के स्नेह, मार्गदर्शन और संरक्षण का अधिकारी है, इसलिए तलाक के बाद भी बच्चे का दोनों अभिभावकों से संपर्क और भावनात्मक जुड़ाव बना रहना चाहिए। अभिरक्षा का निर्णय कानूनी अधिकारों के आधार तक सीमित न होकर बच्चे की वास्तविक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया जाए। पर्याप्त आयु और समझ रखने वाले बच्चों की राय को भी महत्व दिया जाना चाहिए। आखिरकार, उनके जीवन से जुड़े निर्णयों में उनकी आवाज क्यों न सुनी जाए? एक सभ्य समाज बच्चों को उनके जन्म की परिस्थितियों से न पहचानते हुए उनके व्यक्तित्व और अधिकारों से पहचानता है। चाहे बच्चा विवाह से जन्मा हो, लिव-इन रिलेशनशिप से, दत्तक ग्रहण के माध्यम से परिवार में आया हो या किसी पूर्व वैध बहुविवाह से उत्पन्न हुआ हो, उसके अधिकार समान होने चाहिए। उत्तराधिकार, शिक्षा, पहचान, भरण-पोषण और संपत्ति के मामलों में किसी भी प्रकार का भेदभाव बच्चों के साथ अन्याय होगा। विशेष रूप से यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि पुत्र और पुत्री को समान उत्तराधिकार अधिकार प्राप्त हों। संयुक्त परिवार की सहदायिकी संपत्ति में पुत्री को जन्म से वही अधिकार और दायित्व प्राप्त हों जो पुत्र को होते हैं। यह सामाजिक न्याय की दिशा में ऐतिहासिक कदम होगा।

समाज बदल रहा है और पारिवारिक संरचनाएं भी परिवर्तित हो रही हैं, किंतु परिस्थितियां चाहे जो हों, बच्चे के अधिकार कभी कम नहीं हो सकते। यदि किसी लिव-इन रिलेशनशिप से बच्चा जन्म लेता है, तो उसे पूर्ण वैधता, सम्मान और समान अधिकार प्राप्त होने चाहिए। जन्म पंजीयन, शिक्षा, स्वास्थ्य, भरण-पोषण और उत्तराधिकार में किसी प्रकार का भेदभाव न हो। यदि ऐसा संबंध समाप्त होता है, तो बच्चे की अभिरक्षा और भरण-पोषण की स्पष्ट व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। जब किसी घर में हिंसा होती है, तो उसके निशान वहां रह रहे बच्चों के मन पर भी पड़ते हैं। ऐसे बच्चे अक्सर भय, अवसाद, असुरक्षा और व्यवहारिक समस्याओं से जूझते हैं, इसीलिए विवाह-विच्छेद, अलगाव या घरेलू हिंसा से जुड़े मामलों में बच्चों की सुरक्षा का जोखिम मूल्यांकन अनिवार्य होना चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर बाल कल्याण समिति या बाल संरक्षण इकाइयों को तत्काल जोड़ा जाना जाए, ताकि किसी भी बच्चे को संकट की स्थिति में अकेला न छोड़ा जाए। हम सभी जानते हैं कि दत्तक ग्रहण किसी बच्चे को परिवार, पहचान और भविष्य देने की प्रक्रिया है, इसलिए यह जरूरी है कि पूरी तरह पारदर्शी, वैधानिक और बाल-केंद्रित हो। सभी दत्तक ग्रहण प्रक्रियाएं किशोर न्याय अधिनियम और सीएआरए के दिशा-निर्देशों के अनुरूप संचालित हों तथा अवैध या अनौपचारिक दत्तक ग्रहण पर पूर्ण रोक हो। दत्तक ग्रहण के बाद भी समय-समय पर निगरानी की व्यवस्था हो, ताकि बच्चे का समुचित विकास सुनिश्चित किया जा सके।

अतः समान नागरिक संहिता की सफलता इस बात से नहीं मापी जाएगी कि उसने कितने कानूनों को एकरूप किया, बल्कि इससे मापी जाएगी कि उसने कितने बच्चों को असमानता, उपेक्षा और असुरक्षा से मुक्त किया। मध्यप्रदेश के लिए यह एक ऐतिहासिक अवसर है कि वह ऐसी यूसीसी का निर्माण करे, जिसमें हर निर्णय का केंद्र बच्चा हो; जहां किसी बच्चे के अधिकार उसकी पारिवारिक, सामाजिक या धार्मिक पृष्ठभूमि से निर्धारित न हों और जहां हर बच्चे को यह भरोसा हो कि कानून उसके साथ खड़ा है। क्योंकि अंततः किसी भी राज्य की सबसे बड़ी पूंजी उसकी आने वाली पीढ़ियां होती हैं। यदि हम उनके अधिकारों और सपनों की रक्षा कर सके, तो वास्तव में हम एक अधिक न्यायपूर्ण, संवेदनशील और समृद्ध समाज की दिशा में आगे बढ़ेंगे। यहां यह भी बता दें कि बच्चों के हित में यह निर्णय सिर्फ मप्र तक सीमित नहीं होने चाहिए, हर राज्य में और देश के स्तर पर जब भी इस तरह की पॉलिसी बने, सभी पर यह लागू होना आज समय की आवश्यकता है।

डॉ हेडगेवार, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और बंगाल : ऐतिहासिक जुड़ाव

दशकों से किए गए बड़े काम को पहचानना जरूरी है। पश्चिम बंगाल और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी के बीच का रिश्ता आज के राजनीतिक माहौल तक सीमित नहीं है। यह रिश्ता सीधे तौर पर संघ के बनने और जनसंघ की नींव रखे जाने से पहले के समय से जुड़ा है। डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की वैचारिक सोच और बाद में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की राजनीतिक भूमिका, दोनों ही पश्चिम बंगाल से जुड़ी रही है।

हाल ही में हुए बंगाल विधानसभा चुनाव न केवल भाजपा की एक और जीत थी बल्कि आंतरिक और बाहरी विरोधियों के लिए बड़ी हार भी थे। यह चुनाव न केवल पश्चिम बंगाल के लिए बल्कि पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए भी बहुत अहम था। बंगाल के लोग, खासकर हिंदू, उन राजनीतिक दलों के खिलाफ अपनी एकता के लिए तारीफ के हकदार हैं जिन्होंने राज्य की अखंडता से समझौता किया है। यह बदलाव जनसंघ के समय से ही रा.स्व. संघ और भाजपा की कोशिशों का नतीजा

-डॉ. पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

है। दशकों से किए गए बड़े काम को पहचानना जरूरी है। पश्चिम बंगाल और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी के बीच का रिश्ता आज के राजनीतिक माहौल तक सीमित नहीं है। यह रिश्ता सीधे तौर पर संघ के बनने और जनसंघ की नींव रखे जाने से पहले के समय से जुड़ा है। डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की वैचारिक सोच और बाद में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की राजनीतिक भूमिका, दोनों ही पश्चिम बंगाल से जुड़ी रही है। 1910 में जब युवा केशव बलिराम हेडगेवार मेडिकल की पढ़ाई के लिए कलकत्ता (अब कोलकाता) गए, तो बंगाल भारत में क्रांतिकारी आंदोलनों का मुख्य गढ़ था। डॉ. हेडगेवार देशभक्ति की भावना से भरे हुए थे इसलिए कलकत्ता जाने के बाद वे वहाँ के मशहूर क्रांतिकारी संगठन 'अनुशीलन समिति' के सीधे संपर्क में आए। कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई के दौरान, उन्होंने न केवल मेडिकल की पढ़ाई की बल्कि उस समय के प्रमुख क्रांतिकारियों के साथ देश सेवा के काम में भी शामिल हुए। वे बिपिन चंद्र पाल, पुलिन बिहारी दास और रास बिहारी बोस जैसे नेताओं के विचारों से प्रभावित थे। उस दौरान, उन्होंने क्रांति की कई गुप्त गतिविधियों में सीधे और परोक्ष रूप से हिस्सा लिया। कलकत्ता की धरती से डॉ. हेडगेवार को मिली संगठनात्मक प्रेरणा और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा लगाए गए जनसंघ के बीज इस इतिहास का पहला हिस्सा हैं। हालाँकि, बाद के समय में इन विचारों ने बंगाल की धरती पर अपनी पकड़ कैसे मजबूत की और लेफ्ट-तृणमूल की कड़ी चुनौतियों के बावजूद बीजेपी ने वहाँ जो राजनीतिक जीत हासिल की, वह आधुनिक भारत के इतिहास का एक बहुत महत्वपूर्ण चरण है। कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीतिः खिलाफत आंदोलन के दौरान कांग्रेस की भूमिका और मुस्लिम तुष्टिकरण की शुरूआत ने डॉ. हेडगेवार को परेशान किया। उनका मानना ??था कि समाज की अंदरूनी कमियों, जैसे जाति-भेदभाव और कमजोरी को दूर किए बिना राष्ट्र मजबूती से खड़ा नहीं हो सकता। संघ की स्थापना (1925): यह सोचते हुए कि ₹आजादी पाना जितना जरूरी है, उसे बनाए रखने के लिए समाज में अनुशासन, चरित्र और संगठन भी उतने ही जरूरी हैं,₹ वे क्रांतिकारी रास्तों और राजनीतिक आंदोलनों से आगे बढ़े और 25 सितंबर 1925 (विजयादशमी) को नागपुर में 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ' की स्थापना की। यह बंगाल में मिले अनुभवों और वैचारिक मंथन का नतीजा था। संघ के बनने के कुछ दशकों बाद, बंगाल एक बार फिर इस विचारधारा से मजबूती से जुड़ा और वह नाम था डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी। कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा वाइस-चांसलर और कट्टर राष्ट्रवादी नेता डॉ. मुखर्जी ने बंगाल के बंटवारे के समय हिंदुओं की रक्षा में अहम भूमिका निभाई। आजादी के बाद वे नेहरू की पहली कैबिनेट में उद्योग मंत्री थे, लेकिन नेहरू-लियाकत समझौते और अनुच्छेद 370 (जिसने कश्मीर को विशेष दर्जा दिया था) के विरोध में उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उस समय, उन्हें एक ऐसे राजनीतिक विकल्प की जरूरत थी जो सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की वकालत करे। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन सरसंघचालक श्री गुरुजी (माधव सदाशिव गोलवलकर) से बात की। संघ ने डॉ. मुखर्जी की मदद के लिए अपने कुछ प्रमुख स्वयंसेवकों, जिनमें अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी शामिल थे, को भेजा। कश्मीर के पूरी तरह विलय के लिए डॉ. मुखर्जी के इस ऐलान 'एक देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशाण नहीं होंगे' ने भारतीय राजनीति को एक नई दिशा दी। कश्मीर में आंदोलन के दौरान उनकी रहस्यमयी मौत ने पूरे देश में राष्ट्रवाद की एक जबरदस्त लहर पैदा कर दी। 1947 के बंटवारे के बाद, पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से लाखों हिंदू शरणार्थी पश्चिम बंगाल आए। उस बेहद मुश्किल समय में, फ्र स्वयंसेवकों ने सीमा पर और कलकत्ता के कैंपों में राहत शिविर शुरू किए। सांस्कृतिक जुड़ावः हालांकि वामपंथ के बढ़ते प्रभाव के कारण बंगाल में खुलकर काम करना मुश्किल था, फिर भी संघ ने शिक्षा और सेवा के जरिए ग्रामीण इलाकों में संबंध बनाए। संघ ने शांति सें बंगाल को 'वास्तु पूजक' से 'भारत माता पूजक' बनाने का काम जारी रखा। बंगाल में पूजी जाने वाली 'शक्ति' (दुर्गा पूजा) और संघ की 'राष्ट्र शक्ति' के बीच संबंध को लोगों के मन में बिठाया गया।21 अक्टूबर 1951 को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 'भारतीय जनसंघ' की स्थापना की, जो आज की 'भारतीय जनता पार्टी' का पूर्ववर्ती संगठन है। जनसंघ के पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष एक बंगाली व्यक्ति थे; इस इतिहास को भुलाया नहीं जा सकता। श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान के बाद भी बंगाल में जनसंघ का अस्तित्व बना रहा। हरिभाऊ गोडबोले और प्रो. हरिपाद भारती जैसे नेताओं ने मुश्किल हालात में भी अपनी विचारधारा को बनाए रखा। हालांकि, 1977 के बाद बंगाल में 34 साल तक वाम मोर्चा और बाद में तृणमूल कांग्रेस सत्ता में रही। इस दौरान संघ और भाजपा कार्यकताओं को बेहद हिंसक राजनीतिक दमन का सामना करना पड़ा। कई कार्यकताओं ने अपनी जान गंवाई लेकिन उन्होंने अपनी विचारधारा नहीं छोड़ी। 2011 में ममता बनर्जी ने वामपंथियों को सत्ता से बाहर कर दिया। हालांकि, इसके बाद बंगाल में शुरू हुई 'तुष्टिकरण की राजनीति' और भाजपा-संघ के सांस्कृतिक कार्यक्रमों (जैसे रामनवमी जुलूस) पर लगाई गई पाबंदियों ने बंगाल के मूल 'भद्रलोक' (शिक्षित मध्यम वर्ग) और ग्रामीण लोगों को नाराज करना शुरू कर दिया।जिस बंगाल ने 'वंदे मातरम' और 'जन-गण-मन' दिया, वहां यह भावना घर कर गई थी कि राष्ट्रीय पहचान को कमजोर किया जा रहा है। इसी आधार पर भाजपा ने बंगाल की जनता को देशभर में और एनडीए शासित राज्यों में अपने वैचारिक ढांचे और विकास कार्यों को दिखाकर अपने आप को मजबूती सें प्रस्थापित किया। 2014 के बाद, भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तत्कालीन अध्यक्ष अमित शाह - ने बंगाल पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने गर्व के साथ बंगाल की पहचान यानी रवींद्रनाथ टैगोर, स्वामी विवेकानंद और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की विरासत को दोहराया। आज जब हम पश्चिम बंगाल में बीजेपी और संघ परिवार का विस्तार देखते हैं, तो यह केवल एक अस्थायी राजनीतिक लाभ नहीं है बल्कि इसके पीछे एक मजबूत ऐतिहासिक आधार है। पश्चिम बंगाल ही वह धरती है जहाँ युवावस्था में डॉ. हेडगेवार की वैचारिक सोच विकसित हुई और यहीं से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के रूप में जनसंघ का जन्म हुआ। इसलिए, संघ और बीजेपी के इतिहास के तार बंगाल की मिट्टी से हमेशा के लिए जुड़े हुए हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संविधान की हत्या करने वालों का गजब तमाशा

25 जून 1975 का दिन भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में काला दिन के रूप में जाना जाता है। इस दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा और सत्ता खोने के डर की वजह से कैबिनेट से चर्चा किए बगैर देश में आपातकाल लागू करने की घोषणा की। इमरजेंसी की घोषणा करने के बाद इंदिरा गांधी सोने चली गई और पुलिस देश के कोने-कोने में विपक्ष के नेताओं और प्रदर्शनकारियों को जगा कर उन्हें गिरफ्तार करना शुरू कर दिया।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बात बात पर संविधान और लोकतंत्र की हत्या का जुमला दोहराते हैं। लाल जिल्द वाली संविधान की किताब पकड़कर वो संविधान रक्षक होने का दावा भी करते हैं। संविधान, लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की आजादी, स्वतंत्रता आदि जैसी बातें जब राहुल गांधी या कांग्रेस का कोई नेता करता है, तो वो अपने बुजुर्गों और नेताओं के कर्मों और कारनामों को भूल जाते हैं। संविधान और लोकतंत्र की हत्या के दर्जनों उदाहरण ऐसे हैं, जो कांग्रेस के शासन में हुए। 25 जून 1975 का दिन भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में काला दिन के रूप में जाना जाता है। इस दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा और सत्ता खोने के डर

डॉ. आशीष वशिष्ठ

की वजह से कैबिनेट से चर्चा किए बगैर देश में आपातकाल लागू करने की घोषणा की। इमरजेंसी की घोषणा करने के बाद इंदिरा गांधी सोने चली गई और पुलिस देश के कोने-कोने में विपक्ष के नेताओं और प्रदर्शनकारियों को जगा कर उन्हें गिरफ्तार करना शुरू कर दिया। उसी रात दिल्ली के अखबारों के प्रिंटिंग प्रेस की लाइनें काट दी गईं। सभी समाचार पत्रों पर पूर्व-सेंसरशिप लगा दी गई। संपादकों को समाचार, संपादकीय और तस्वीरें प्रकाशित करने से पहले सरकारी मंजूरी लेना आवश्यक था। समाचार पत्रों को उनके संपादकीय रुख और कवरेज के आधार पर 'मित्रवत', 'तटस्थ' या 'शत्रुतापूर्ण' के रूप में लेबल किया गया था।

आपातकाल के दौरान संसद ने अनेक संवैधानिक संशोधन पारित किये, जिनसे न्यायिक समीक्षा और संस्थागत जांच कमजोर हो गयी। तब इंदिरा गांधी के स्वाभाविक उत्तराधिकारी माने जा रहे संजय गांधी ने राजनीतिक ताकतों का खुलकर इस्तेमाल किया और वो 'छोटे सरकार' कहे जाने लगे। कई नीतियां और सरकारी गतिविधियां सीधे तौर पर संजय गांधी चला रहे थे, जिनमें एक था परिवार नियोजन। परिवार नियोजन के नाम पर आम लोगों के साथ ज्यादतियां हुईं और दिल्ली समेत देश के कई इलाकों में लोगों की जबरन नसबंदी करवा दी गई। इमरजेंसी के 21 महीनों में में 1.07 करोड़ नसबंदी ऑपरेशन किए गए। कई राज्यों ने आवश्यक सेवाओं तक पहुंच को नसबंदी से जोड़ दिया। अगर लोगों के दो या तीन से ज्यादा बच्चे हैं और वे नसबंदी कराने से इनकार करते थे, तो उन्हें राशन, आवास, नौकरी, स्वास्थ्य सेवा और ऋण देने से मना कर दिया जाता था। इस अवधि के दौरान 25,962 सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों को समय से पहले सेवानिवृत्त कर दिया गया। कांग्रेस नेताओं की तानाशाही प्रवृत्ति, संविधान के प्रति अनादर का भाव, स्वयं को श्रेष्ठ और संविधान और कानून से ऊपर मानने के प्रवृत्ति वाला रोग नया नहीं पुराना है। संविधान की हत्या और लोकतंत्र का गला घोटने का पाप कांग्रेस ने किया। आज राहुल गांधी, कांग्रेस के नेता या विपक्ष के कई नेता जब मोदी सरकार पर तानाशाही और संविधान की हत्या करने का आरोप लगाते हैं तो पता नहीं वो ये क्यों भूल जाते हैं कि इंदिरा गांधी ने निहत्थे साधु-संतों पर गोलियां चलवाई थी; इमरजेंसी थोपी थी; इंदिरा ने अकाल तख्त पर सेना की चढ़ाई थी। 1984 में निहत्थे और बेगुनाह सिखों को चुन-चुनकर कांग्रेसियों ने ही बेरहमी से मारा था। अनुच्छेद 356 का सबसे ज्यादा दुरुपयोग कांग्रेस के शासन में हुआ। जब 90 बार से ज्यादा बार चुनी हुई सरकारों को गिरा दिया गया। इसमें से सिर्फ इंदिरा गांधी ने अनुच्छेद-356 का 50 बार इस्तेमाल किया। केरल की चुनी हुई वामपंथी सरकार को जवाहरलाल नेहरू पसंद नहीं करते थे। उन्होंने कुछ ही समय में चुनी हुई पहली सरकार को घर भेज दिया। तमिलनाडु के एमजीआर और करुणानिधि की सरकार को भी कांग्रेस ने ही बर्खास्त किया था। मोदी सरकार के 12 साल के शासन में एक भी ऐसा वाकया बता दीजिए जिसकी तुलना आप किसी कांग्रेस प्रधानमंत्री के कारनामों से कर सकें। मोदी शासन में दिल्ली में किसान आंदोलनकारियों के उग्रता के जवाब में पुलिस ने एक डंडा भी नहीं चलाया। जबकि 12 जनवरी 1998 को मध्यप्रदेश के बैतूल जिले के मुलताई में मुआवजा मांग रहे किसानों पर कांग्रेस की दिग्विजय सिंह की सरकार ने गोली चलाई थी। उस समय पुलिस फायरिंग में 24 किसान मारे गए और 150 घायल हुए थे। जनवरी 2022 को पीएम मोदी पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के दौरे पर थे एक फ्लाईओवर पर प्रदर्शनकारियों ने उनका रास्ता रोक लिया और 15-20 मिनट के लंबे इंतजार के बाद प्रधानमंत्री का काफिला वापस एयरपोर्ट की तरफ लौट पाया। उस समय पंजाब में कांग्रेस की सरकार थी। साजिशन पीएम की जान को खतरे में डाला गया। दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी ने कहा,"ये जो नरेंद्र मोदी भाषण दे रहा है, छह महीने बाद ये घर से बाहर नहीं निकल पाएगा। हिन्दुस्तान के युवा इसको ऐसा डंडा मारेंगे, इसको समझा देंगे कि हिन्दुस्तान के युवा को रोजगार दिए बिना ये देश आगे नहीं बढ़ सकता।" 19 अगस्त 2025 को बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने एक सभा में कहा, 'तीनों चुनाव आयुक्त सुन लें। अभी नरेंद्र मोदी की सरकार है और आप उनके लिए काम कर रहे हैं। लेकिन एक दिन आएगा, जब बिहार और दिल्ली में 'इंडिया' गठबंधन की सरकार होगी, फिर हम आप तीनों को देखेंगे।' 4 फरवरी 2022 को यूपी विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस नेता अजय राय ने एक सभा में कहा था कि बोरी में नमक भर के तैयार रखिये आप सभी, योगी और मोदी को 7 मार्च को उसी बोरी में डाल कर जमीन के अंदर गाड़ देंगे। नमक का सही उपयोग यही है।ह्व कांग्रेस पार्टी के 20 जून 2022 को दिल्ली के जंतर-मंतर पर सत्याग्रह के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुबोधकांत सहाय ने कहा कि, अगर प्रधानमंत्री हिटलर के रास्ते पर चलेंगे तो वह हिटलर की मौत मरेंगे।

ये चंद उदाहरण हैं। असल में, कांग्रेस के नेता संविधान, लोकतंत्र, संवैधानिक संस्थाओं, संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों और कानून के प्रति अनादर का भाव रखते हैं। ये समय-समय पर प्रकट होता रहता है। वे राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट, ईडी, सीबीआई, चुनाव आयोग यानी संविधान, संवैधानिक संस्थाओं और व्यक्तियों का अपमान अपनी शान समझते हैं। ऐसा करके वो ये साबित करना चाहते हैं कि वे देश, संविधान और कानून से ऊपर हैं। गांधी परिवार और कांग्रेस के नेता आज भी किसी ने किसी तरह इमरजेंसी को सही ठहराने की कोशिश करतेहैं। ऐसा करते समय वो अपने नेताओं के कदमों पर ही चलते दिखाई देते हैं। आपातकाल के संदर्भ में कैथरीन फ्रैंक की किताब ₹इंदिराः द लाइफ ऑफ इंदिरा नेहरू गांधी₹के अनुसार, इंदिरा ने सिद्धार्थ शंकर रे से कहा, ₹जब एक बच्चा पैदा होता है तो ये देखने के लिए कि बच्चा ठीक है या नहीं, हम उसे हिलाते हैं। भारत को भी इसी तरह हिलने की जरूरत है। बाद में एक इंटरव्यू में इंदिरा ने कहा था कि देश को बचाए रखने के लिए 'शॉक ट्रीटमेंट' की जरूरत थी।

निर्जला एकादशी व्रत पारण का समय और संपूर्ण विधि

धर्मशास्त्रों और पद्मपुराण में निर्जला एकादशी के व्रत को अत्यंत श्रेष्ठ माना गया है। इस दिन व्रत करने से पूरे साल की एकादशियों के समान फल की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि एकादशी व्रत का पारण द्वादशी के दिन करना उत्तम होता है। ऐसे में आइए विस्तार से जानें निर्जला एकादशी पर व्रत खोलने का शुभ मुहूर्त और संपूर्ण विधि विस्तार से। निर्जला एकादशी का पद्म पुराण में बहुत विशेष महत्व बताया गया है। यह व्रत भीमसेन ने भी किया था, इसीलिए इसे भीमसेनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि निर्जला एकादशी का व्रत करने से पूरे साल में पड़ने वाली सभी एकादशियों के व्रत के समान पुण्य फल की प्राप्ति होती है। ऐसे में विधिपूर्वक और पूरी श्रद्धा के

साथ यह व्रत करना चाहिए। धर्म शास्त्रों और पद्मपुराण में द्वादशी के दिन एकादशी व्रत का पारण करने का विधान बताया गया है। इस दिन विधिपूर्वक विष्णुजी की पूजा के बाद ही व्रत खोलना चाहिए। ऐसा करने से उत्तम फल प्राप्त होता है। ऐसे में आइए पंडित राकेश झा से विस्तार से जानें निर्जला एकादशी व्रत पारण का समय और पद्मपुराण से व्रत खोलने की संपूर्ण विधि।

निर्जला एकादशी व्रत खोलने का समय

धर्मशास्त्रों और पद्मपुराण के अनुसार, निर्जला एकादशी के व्रत का पारण मनुष्य को द्वादशी के दिन ही करना चाहिए। ऐसा करने से उत्तम फल प्राप्त होता है। ऐसे में इस एकादशी व्रत का पारण 26 जून, शुक्रवार को किया जाएगा। इस दिन सुबह के 5 बजकर 41 मिनट से लेकर 8 बजकर 25 मिनट का समय व्रत खोलने के लिए सबसे उत्तम रहेगा।

निर्जला एकादशी व्रत पारण विधि पद्म पुराण में वर्णित

पंचांग के अनुसार, निर्जला एकादशी का व्रत 25 जून, गुरुवार को रखा जाएगा। इस दिन सुबह विष्णुजी की पूजा करने के बाद पूरे दिन बिना पानी पिए व्रत रखा जाता है। इसके बाद, अगले दिन यानी द्वादशी तिथि पर व्रत का पारण करने का विधान होता है। ऐसे में 26 जून को विधिपूर्वक व्रत खोलना चाहिए। द्वादशी तिथि के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करें और साफ वस्त्र धारण करें। इसके बाद, भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए।
पद्म पुराण के अनुसार, गंध, धूप, पुष्प और सुंदर वस्त्र के साथ विष्णुजी का पूजन करें। साथ ही, जल के घड़े का संकल्प करना चाहिए।

टिप्स

रात में बार-बार टूटती है नींद?

कुछ लोगों को सोते समय खर्राटे आने की समस्या होती है। हालांकि, खर्राटे आना या बार-बार नींद खुलना हर बार किसी बड़ी समस्या का संकेत नहीं होता है। लेकिन, यदि सोते में सांस रुकने की वजह से आपकी नींद बार-बार खुलती है तो यह स्लीप एपनिया नामक बीमारी की ओर संकेत करता है। ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया (डरअ) नींद से जुड़ी एक आम समस्या है, जिसमें सोते समय ऊपरी श्वसन मार्ग (४स्र्स्री१्र१६८) में बार-बार आंशिक या पूरी तरह से रुकावट आती है। सांस लेने में ये रुकावटें रात भर में दर्जनों या सैकड़ों बार हो सकती हैं, जिससे सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया के असर से सबसे अधिक प्रभावित होने वाले अंगों में दिमाग को शामिल किया जाता है। डॉक्टर सलील एस बिंद्रे (निदेशक - पल्मोनोलॉजी, नानावती मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल) कहते हैं कि रिसर्च से पता चला है कि स्लीप एपनिया में इलाज न किया जाए तो इससे दिमाग के काम करने की क्षमता कई तरह से प्रभावित हो सकती है, जैसे ऑक्सीजन की कम सप्लाई, नींद के पैटर्न में गड़बड़ी और वैस्कुलर (रक्त वाहिकाओं से जुड़ी) समस्याओं का खतरा बढ़ना, आदि। आपके दिमाग पर मुख्य रूप से ऑक्सीजन का स्तर बार-बार कम होने (जिसे 'इंटरमिटेंट हाइपोक्सिया' कहते हैं) के जरिए असर डालता है। इस दौरान, हवा का बहाव रुक जाता है या बहुत कम हो जाता है, जिससे खून में ऑक्सीजन का स्तर गिर जाता है। ठीक से काम करने के लिए दिमाग को लगातार ऑक्सीजन की जरूरत होती है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

आजिमगंज पैसेंजर ट्रेन से 8.670 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : बुधवार को बरहरवा रेलवे स्टेशन पर आने एवं जाने वाली ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ विदेशी शराब और अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की अवैध तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष जाँच अभियान के दौरान बरहरवा आरपीएफ को पुनः सफलता हाथ लगी है।मिली जानकारी के अनुसार बरहरवा आरपीएफ पोस्ट निरीक्षक संजीव कुमार अपने टीम सदस्य आरक्षी अमरेश कुमार आरपीएफ तथा सीपीडीएस टीम के आरक्षी लक्ष्मण कुमार, आरक्षी संतोष कुमार एवं आरक्षी वशिष्ठ यादव के साथ नियमित जांच एवं निगरानी ड्यूटी पर थे।

जांच के दौरान ट्रेन संख्या 53433 अप अजीमगंज बरहरवा पैसेंजर समय 11:42 बजे प्लेटफॉर्म संख्या-03 बरहरवा रेलवे स्टेशन पर पहुँची। उक्त ट्रेन के इंजन की ओर स्थित सामान्य कोच संख्या इआर/102416 की तलाशी के दौरान एक काला रंग का प्यूमा पिट्ठू बैग सीट के नीचे रखा हुआ पाया गया। कोच में उपस्थित यात्रियों से उक्त बैग के स्वामित्व के संबंध

में पूछताछ की गई, किन्तु किसी भी यात्री ने बैग पर अपना दावा नहीं किया। एक यात्री द्वारा बताया गया कि उक्त बैग तिलडांगा स्टेशन से पूर्व ही कोच में रखा हुआ था।इसके उपरांत यात्रियों की उपस्थिति में बैग की जिप खोलकर जांच की गई, जिसमें अवैध विदेशी शराब पाई गई। तत्पश्चात बैग को प्लेटफॉर्म संख्या-03 स्थित एफ.ओ.बी. के समीप उतारकर विस्तृत तलाशी ली गई, जिसमें अलग अलग कम्पनी व नाम के निम्नलिखित शराब बरामद हुई।जिसमें

बरामद समान

ओल्ड मोंक एक्स,एक्स एक्स व्हिस्की 4 बोतल (02 बोतल 375 मि.ली. व 2 बोतल 750 मि.ली.

बकार्डी लेमन रम 1 बोतल 750 मि.ली.रॉयल स्टेज व्हिस्की 1 बोतल 750 मि.ली.ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की पाउच 19 नग 180 मि.ली. प्रत्येक कुल मात्रा 3420 मि.ली.मैजिक मोमेंट ग्रेन वोडका 4 बोतल 375 मि.ली. प्रत्येक कुल मात्रा 1500 मि.ली.

कुल बरामद शराब की मात्रा झ्र 8670 मि.ली. 8.670 लीटर जिसकी कुल अनुमानित मूल्य ₹7,840/- रुपये सात हजार आठ सौ चालीस मात्रउपरोक्त बरामद विदेशी शराब को निरीक्षक संजीव कुमार द्वारा प्लेटफॉर्म संख्या-03 के साहिबगंज छोर स्थित एफ.ओ.बी. के समीप उपलब्ध गवाहों की उपस्थिति में विधिवत जब्त किया गया।तत्पश्चात जब्त विदेशी शराब को अग्रेषित आवश्यक कार्रवाई हेतु आरपीएफ पोस्ट बरहरवा लाया गया तथा उत्पाद विभाग, साहिबगंज को सूचित किया गया है।इस दौरान बरहरवा आरपीएफ इंस्पेक्टर ने कहा कि रेल परिसर में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।आरपीएफ द्वारा तस्करों एवं अपराधियो के लिए छापेमारी और जाँच अभियान लगातार जारी रहेगी।

न्यूज IN ब्रीफ

इग्नू की जून 2026 सत्रांत परीक्षा सफलतापूर्वक सम्पन्न

साहिबगंज : साहिबगंज महाविद्यालय साहिबगंज स्थित इग्नू अध्ययन केंद्र कोड-3605 में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू की जून 2026 सत्रांत परीक्षा का सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन किया गया।परीक्षा दो पालियों में संपन्न हुई।परीक्षा का निरीक्षण इग्नू क्षेत्रीय केंद्र द्वारा नियुक्त आब्जर्वर डॉ.मृदुल सिन्हा तथा अध्ययन केंद्र के केंद्राधीक्षक एवं समन्वयक डॉ. ध्रूब ज्योति कुमार सिंह ने किया।डॉ.सिंह ने बताया कि प्रथम पाली में 12 विषयों की परीक्षा आयोजित हुई, जिसमें पंजीकृत 57 परीक्षार्थियों में से 55 उपस्थित तथा 2 अनुपस्थित रहे। वहीं द्वितीय पाली में 14 विषयों की परीक्षा में कुल 236 परीक्षार्थियों में से 215 उपस्थित 21 अनुपस्थित पाए गए।परीक्षा पूरी तरह कदाचारमुक्त एवं विश्वविद्यालय के दिशा-निदेशों के अनुरूप संपन्न हुई।इस अवसर पर डॉ. सिंह ने जानकारी दी कि इग्नू के जुलाई 2026 सत्र के लिए विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों बी.ए.,बी.एससी.बी.कॉम बी.सी.ए मास्टर्स डिप्लोमा व सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में नव नामांकन की प्रक्रिया जारी है।इच्छुक अभ्यर्थी 15 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन नामांकन कर सकते हैं।

अंग्रेजी ओलंपियाड में डीएवी की सृष्टि रानी को प्रशंसा प्रमाण पत्र

बरही : डीएवी पब्लिक स्कूल, बरही की छात्रा सृष्टि रानी ने अंग्रेजी ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। कक्षा आठवीं की छात्रा सृष्टि रानी पिता निर्मल प्रसाद को अंग्रेजी ओलंपियाड में 83.33 प्रतिशत अंक प्राप्त हुआ है। डी.ए.वी. कॉलेज मैनेजिंग कमेटी, नई दिल्ली द्वारा सर्टिफिकेट आफ एप्रिसिएशन प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। सृष्टि रानी की इस उपलब्धि सप्राचार्य पुष्प कुमार झा ने उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि सृष्टि की यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत है।

मुहर्रम को लेकर प्रशासन अलर्ट डीसी एसपी के नेतृत्व में निकला फ्लैग मार्च

हजारीबाग : जिले में मुहर्रम का त्योहार शांति, आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में हील्लीś८ की शाम डीसी हेमंत सती और एसपी अमन कुमार ने संयुक्त रूप से शहर के विभिन्न संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च किया।

फ्लैग मार्च के पहले मीडिया से बातचीत करते हुए उपायुक्त हेमंत सती ने आम नागरिकों से शांति समिति की बैठकों में लिए गए निर्णयों का अक्षरशः पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हजारीबाग की गौरवशाली परंपरा रही है कि यहाँ सभी त्योहार मिल-जुलकर मनाए जाते हैं। मुहर्रम के इस पावन अवसर पर भी हमें उसी आपसी प्रेम, अमन-चैन और सौहार्द की परंपरा को कायम रखना है। इस फ्लैग मार्च में जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, सदर एसडीओ आदित्य पाण्डेय, सदर एसडीपीओ रुपेश कुमार सिंह सीसीआर डीएसपी मो अयातुल्लाह, शहर के सभी थाना प्रभारियों के साथ बड़ी संख्या में पैरामिलिट्री फोर्स और पुलिस के जवान शामिल रहे।

बिना लाइसेंस चल रहे लॉज हॉस्टलों पर नगर निगम हुआ सख्त

हजारीबाग : नगर निगम प्रशासन ने हजारीबाग शहरी क्षेत्र में बिना वैध लाइसेंस के संचालित हो रहे लॉज और हॉस्टलों के खिलाफ कमर कस ली है। निगम ने बुधवार को एक विशेष अभियान चलाया। शहर के लगभग 30 लाज और हॉस्टलों की जांच की गई। नगर निगम प्रशासन ने विशेष अभियान के जरिए संचालकों को सख्त चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही लाइसेंस की प्रक्रिया पूरी नहीं की गई, तो उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम के अनुसार धर्मशाला, विवाह भवन, बैंक्वेट हॉल, होटल, हॉस्टल, लॉज निर्माण और अनुज्ञप्ति नियमावली 2013 के तहत शहर में संचालित सभी आवासीय और व्यावसायिक संस्थानों के लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य है। निगम ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

नगर आयुक्त ओम प्रकाश गुप्ता के निर्देश पर 23 जून को नगर निगम की एक विशेष टीम ने शहर के बाबू गांव चौक और कृष्णापुरी क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान 20 से 30 लॉज और हॉस्टलों की जांच की गई। कहा कि जिन संचालकों के पास अभी तक वैध लाइसेंस नहीं है, वे इसे तुरंत बनवा लें। लाइसेंस नहीं लेने पर प्रतिष्ठान को सील करने जैसा बड़ा कदम भी उठा सकता है। जांच अभियान में असिस्टेंट म्युनिसिपल कमिश्नर अनिल पांडे, सिटी मैनेजर उपेंद्र कुमार, तथा तहसीलदार सूरज कुमार और उदयराम प्रमुख रूप से शामिल थे।

नेशनल लेवल पर तीरंदाजी में हजारीबाग के बच्चों ने लहराया परचम

हजारीबाग : उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित गोविंदपुरी में आयोजित सात दिवसीय चतुर्थ आरजेके गोल्ड मेडल ओपन नेशनल आर्चरी चैंपियनशिप प्रतियोगिता 2026 में हजारीबाग जिले के बड़कागांव स्थित तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन कर नेशनल लेवल पर परचम लहराते हुए कुल 18 पदक जीत कर राज्य के साथ जिले और अपने कस्बे का नाम रौशन किया। इस बाबत केंद्र के निदेशक सह प्रशिक्षक दुर्गेश कुमार ने बताया कि इसमें अंडर -10 से सीनियर तक के तीरंदाज शामिल हुए। समाज विज्ञान के पूर्व संकायाध्यक्ष डॉ कमला प्रसाद ने हजारीबाग लौटने पर दल का स्वागत किया। बताया कि बालक वर्ग में अंडर -10 इण्डियन राउंड रैंकिंग राउंड में शिवम रंजन ने एक कास्य पदक और ओलंपिक राउंड में प्रशांत कुमार ने एक कास्य पदक जीता।

प्रशिक्षण प्राप्त कर आए अग्निवीर जवान का किया गया स्वागत

चलकुशा : प्रखंड के ग्राम चलकुशा निवासी शंकर साव पुत्र रंजीत साव का भारतीय थल सेना के अग्निवीर में सिलेक्शन हुआ था। वह छह महीने की प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटा जिसका स्वागत चलकुशा थाना प्रभारी सूर्यकांत कुमार, मुखिया संघ अध्यक्ष आलोक सिंह, विधायक प्रतिनिधि लखन साव, चलकुशा थाना परिसर में अग्निवीर जवान को माला पहनाकर सम्मानित किया गया। चलकुशा थाना प्रभारी सूर्यकांत कुमार ने रंजीत साव से कहा कि आप देश की सेवा ईमानदारी एवं निष्ठावान पूर्वक निभाएंगे और अपने गांव और देश का नाम रोशन करेंगे।मौके पर राजकुमार पंडित, अशोक दास उमेश साव नसीम अंसारी एवं काफी संख्या में महिला बच्चे स्वागत समारोह में शामिल हुए।

लोक अदालत में विवाद का निर्णय करने की वैधानिक शक्ति प्राप्त है : अखिल

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेशानुसार व प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में इंडियन बैंक, साहेबगंज के परिसर में ₹स्थायी लोक अदालत की सांविधिक प्रक्रिया सुलहकारी अधिदेश एवं न्यायनिर्णयन शक्तियाँ विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य स्थायी लोक अदालत की भूमिका अधिकारिता एवं लोक उपयोगिता सेवाओं से संबंधित वाद-पूर्व मामलों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के संबंध में विभागों तथा संबंधित हितधारकों को जागरूक करना था।इस अवसर पर स्थायी लोक अदालत साहिबगंज के अध्यक्ष राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि विधिक सेवा प्राधिकार अधिनियम 1987 के अंतर्गत स्थायी लोक अदालत को लोक उपयोगिता सेवाओं से जुड़े विवादों के समाधान के लिए विशेष अधिकार प्रदान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि स्थायी लोक अदालत का उद्देश्य आम लोगों को सरल सुलभ त्वरित एवं किफायती न्याय उपलब्ध कराना और न्यायालयों में लंबित मामलों के बोझ को कम करना है।श्री मिश्रा ने स्थायी लोक अदालत में मामलों के संदर्भण, सुलह प्रक्रिया सुलह विफल होने की स्थिति में विवादों के गुण-दोष के आधार पर निर्णय देने की प्रक्रिया के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने सभी विभागों और सेवा प्रदाताओं से अधिकाधिक वाद-पूर्व मामलों का निस्तारण स्थायी लोक अदालत के माध्यम से कराने की अपील की।जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज के सचिव विश्वनाथ भगत ने कहा कि नियमित लोक अदालत मुख्य रूप से सुलह व समझौते के आधार पर मामलों का निस्तारण करती है, जबकि स्थायी लोक अदालत को सुलह असफल होने पर विवाद का निर्णय करने की वैधानिक शक्ति प्राप्त है। उन्होंने बताया कि स्थायी लोक अदालत के निर्णय अंतिम एवं पक्षकारों पर बाध्यकारी होते हैं।कार्यक्रम के दौरान बैंकिंग, बीमा, विद्युत, दूरसंचार, परिवहन, नगर निकाय एवं अन्य लोक उपयोगिता सेवाओं से संबंधित मामलों को स्थायी लोक अदालत के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया, संबंधित विधिक प्रावधानों एवं विभागीय समन्वय के महत्व पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों को अधिकाधिक मामलों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए स्थायी लोक अदालत की सेवाओं का उपयोग करने हेतु प्रेरित किया गया।इस अवसर पर स्थायी लोक अदालत के सदस्य श्री शिवशंकर दुबे एवं श्री आलोक रंजन वर्मा, बैंक सहित विभिन्न लोक उपयोगिता सेवा विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बूथ लेवल एजेंट बीएलए 2 का प्रशिक्षण आयोजित

संवाददाता

साहिबगंज : निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर अभियान के तहत बुधवार को सदर अंचल कार्यालय में अंचलाधिकारी बासुकीनाथ टुडू की अध्यक्षता में बूथ लेवल एजेंट बीएलए 2 का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।प्रशिक्षण के प्रथम चरण में 119 मतदान केंद्रों में से बूथ संख्या 1 से 66 तक के बीएलए-2 को प्रशिक्षित किया गया।प्रशिक्षण के दौरान मतदाता सूची पुनरीक्षण,प्रपत्रों के सत्यापन,नए मतदाताओं के नाम जोड़ने,त्रुटियों के सुधार और मृत,स्थानांतरित व अपात्र मतदाताओं के नामों के निष्पादन से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि एसआईआर अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध,अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना है।इस अवसर पर बीएलए-2 को उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराते हुए मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में सक्रिय सहयोग देने का आह्वान किया गया।अधिकारियों ने कहा कि प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल हो,यह सुनिश्चित करने में बीएलए-2 की महत्वपूर्ण भूमिका है।शेष मतदान केंद्रों के बीएलए 2 को आगामी चरण में प्रशिक्षण दिया जाएगा।बैठक मे विभिन्न राजनीतिज्ञ पार्टियों के आलवे प्रखंड कल्याण पदाधिकारी शशि राय,अभिषेक शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मतदाता सूची बने पूरी तरह शुद्ध और त्रुटिरहित एसडीओ

संवाददाता

साहिबगंज/उधवाः आगामी मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर अभियान को सफल एवं त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से बुधवार को उधवा प्रखंड सभागार में बीएलए 2 बूथ लेवल एजेंट का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण दो पालियों में संपन्न हुआ, जिसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के बीएलए-2 ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो ने कहा कि मतदाता सूची का शुद्ध एवं अद्यतन होना लोकतंत्र की मजबूती का आधार है। उन्होंने बीएलए की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि घर-घर जाकर किए जाने वाले विशेष गहन सत्यापन

एसआईआर कार्य में बूथ लेवल ऑफिसर बीएलओ व बीएलए के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने बताया कि बीएलए की मुख्य जिम्मेदारी मतदाताओं तक इन्यूमरेशन फॉर्म पहुंचाना, सही तरीके से भरवाना तथा उसका समय पर संकलन सुनिश्चित करना है। साथ ही यह भी ध्यान रखना होगा कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो। मौके पर सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह बीडीओ जयंत कुमार तिवारी, प्रखंड निर्वाचन नोडल पदाधिकारी उदय कुमार, बाबूधन हेंब्रम, बीएलए-2 काजू मल्लिक, आलमगीर बादल, जहांगीर अली, एखलाकुर रहमान, वहीदुल इस्लाम, गौतम यादव, धनंजय मंडल, पिंटू घोष, कुंदन राज, राहुल भगत, सुनील प्रमाणिक, हीरामन पासवान, बबलू मंडल सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी पहुंचे बरहरवा बीएलए-2 प्रशिक्षण का किया निरीक्षण

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के.रवि कुमार संथाल परगना दौरे के दूसरे दिन बुधवार को साहिबगंज जिले के बरहरवा प्रखंड पहुंचे।इस दौरान उन्होंने बरहरवा प्लस 2 उच्च विद्यालय में आयोजित बीएलए 2 प्रशिक्षण कार्यक्रम का विधिवत निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने ईआरओ स्तर पर संचालित प्रशिक्षण की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रतिभागियों से बातचीत कर निर्वाचन संबंधी जानकारी हासिल की।उन्होंने मतदाता सूची के शुद्धीकरण एवं अद्यतन कार्य में बीएलए 2 की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए सभी संबंधित पक्षों से सक्रिय

सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की।इस अवसर पर बरहरवा प्रखंड विकास पदाधिकारी सन्नी कुमार दास,नगर पंचायत कार्यपालक पदाधिकारी दीपक कुमार सहित निर्वाचन विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।अधिकारियों ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रगति व निर्वाचन संबंधी तैयारियों की जानकारी दी।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि स्वतंत्र,निष्पक्ष व पारदर्शी चुनाव के लिए मतदाता सूची का त्रुटिरहित होना अत्यंत आवश्यक है।इसके लिए निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने की जरूरत है।प्रशिक्षण कार्यक्रम में बीएलए-2 को मतदाता सूची पुनरीक्षण, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने,त्रुटियों के संशोधन तथा नाम विलोपन की प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई।इस दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

रथयात्रा के लिए पुलिस अधीक्षक को किया आमंत्रित

संवाददाता

साहिबगंज : आगामी 28 जून को प्रभु श्री जगन्नाथ प्राकट्य उत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम संकीर्तन और 29 जून को होने वाली प्रभु श्री जगन्नाथ स्नान रथ यात्रा व स्नान महोत्सव को लेकर श्री श्री जगन्नाथ सेवा समिति की तैयारी लगभग पूर्ण हो गई है।श्री श्री जगन्नाथ सेवा समिति का शिष्टमंडल कुमार दीपांशु के नेतृत्व में बुधवार को एसपी कार्यालय पहुंचकर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह से मिलकर रथयात्रा के लिए आमंत्रण पत्र देकर आमंत्रित किया। वही एसपी के साथ मिलकर 28 व 29 जून को होने वाले पूजन व रथयात्रा को लेकर विचार विमर्श करते हुए आवश्यक प्रशासनिक सहयोग, सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की।पुलिस अधीक्षक ने आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया।समिति अध्यक्ष अविनाश नरसरिया,सचिव कुमार दीपांशु ने बताया कि 28 जून को सांस्कृतिक कार्यक्रम में मालदा से आए श्री राधा कृष्ण संकीर्तन बैंड अयोध्या धाम में विशेष प्रस्तुति देंगे।वहीं 29 जून को भगवान श्री जगन्नाथ की पावन स्नान रथ यात्रा साक्षरता चौक काटरगंज दुर्गा मंदिर प्रांगण से दोपहर एक बजे प्रारंभ होकर नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए भरतीया कॉलिंग स्थित

अयोध्या धाम परिसर पहुँचेगी। जहाँ प्रभु श्री जगन्नाथ,बलभद्र व बहन सुभद्रा का स्नान पूजन कार्यक्रम व धार्मिक अनुष्ठान होगा।साक्षरता चौक काटरगंज दुर्गा मंदिर प्रांगण से प्रभु श्री जगन्नाथ रथयात्रा में रथ को श्रद्धालु रस्सी के सहारे खींचते हुए अयोध्या धाम लेकर आयेंगे।श्रद्धालु अपनी श्रद्धानुसार छप्पन भोग हेतु प्रसाद भी अर्पित कर सकते हैं।समिति सदस्य ने शहरवासियों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में रथयात्रा में शामिल होने की अपील की है।मौके पर समिति कोषाध्यक्ष आनंद ठाकुर,सदस्य चंदन कुमार, अभिषेक,निखिल गुप्ता,सूरज,अनुज, आदित्य,गौरव,अंकुश,सुमित,विशाल, ऋषव सहित अन्य है।

फीफा विश्व कप 2026 : दक्षि I अफ्रीका ने पहली बार विश्व कप नॉकआउट में किया प्रवेश

एजेंसी

मेक्सिको : दक्षिण अफ्रीका ने फीफा विश्व कप 2026 में इतिहास रचते हुए दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराकर पहली बार नॉकआउट चरण में प्रवेश कर लिया। मेक्सिको के मोंटेरे स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए ग्रुप ए के इस मुकाबले में थापेलो मासेको के दूसरे हाफ में किए गए गोल ने दक्षिण अफ्रीका को यादगार जीत दिलाई। 2010 में अपने देश में आयोजित विश्व कप के बाद पहली बार टूनार्मेंट में खेल रही दक्षिण अफ्रीकी टीम को शुरूआती मुकाबले में मेक्सिको से 0-2 की हार के बाद लगभग बाहर माना जा रहा था। हालांकि, उसने चेक गणराज्य के खिलाफ ड्रॉ खेलकर वापसी की और फिर दक्षिण कोरिया को हराकर अंतिम-32 में जगह बना ली। मुकाबले की शुरूआत दक्षिण कोरिया ने आक्रामक अंदाज में की। कप्तान की जगह टीम की अगुवाई कर रहे किम मिन-जे का शक्तिशाली हेडर गोल लाइन पर ही रोक दिया गया, जबकि ली कांग-इन का प्रयास मामूली अंतर से बाहर चला गया। दक्षिण अफ्रीका ने धीरे-धीरे खेल पर पकड़ बनाई, लेकिन फिनिशिंग में कमजोरी दिखाई। 30वें मिनट में उसे बढ़त लेने का सुनहरा मौका मिला, जब एविडेंस माकगोपा के पास आसान अवसर था, लेकिन वह गोलकीपर किम सियुंग-ग्यु को भेद नहीं सके।

दूसरे हाफ की शुरूआत में दक्षिण कोरिया ने बड़ा फैसला लेते हुए अपने स्टार खिलाड़ी और कप्तान सोन ह्युंग-मिन को मैदान पर उतारा। इसके बावजूद टीम को सफलता नहीं मिली। 63वें मिनट में दक्षिण अफ्रीका को वह मौका मिला जिसका उसे इंतजार था। त्शेपांग मोरेमी के क्रॉस पर थापेलो मासेको ने शानदार फिनिश करते हुए गेंद को निकट पोस्ट के अंदर पहुंचा दिया और अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। गोल खाने के बाद दक्षिण कोरिया ने बराबरी के लिए पूरा जोर लगाया, लेकिन दक्षिण अफ्रीकी गोलकीपर

महिला टी20 विश्व कप : वेस्टइंडीज को 38 रन से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचा इंग्लैंड

एजेंसी

लंदन : बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में शानदार प्रदर्शन के दम पर मेजबान इंग्लैंड ने बुधवार को वेस्टइंडीज को 38 रन से हराकर महिला टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। इंग्लैंड टूनार्मेंट की पहली टीम बन गई है जिसने अंतिम चार में प्रवेश किया है। दोनों टीमें इस मुकाबले से पहले अपराजित थीं, लेकिन इंग्लैंड ने एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज कर अपनी दावेदारी और मजबूत कर दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 186 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज डैनी वायट-हॉज ने 65 रन की शानदार पारी खेली, जबकि कप्तान हीदर नाइट ने 43 रन का योगदान दिया। हालांकि चिनेल हेनरी ने शुरूआती झटका देते हुए एमी जोन्स को आउट किया, लेकिन डैनी वायट-हॉज और हीदर नाइट ने पारी को संभाल लिया। वेस्टइंडीज की ओर से अशमिनी मुनिसार ने दो विकेट लिए। 187 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरूआत बेहद धीमी रही। पावरप्ले के पहले तीन ओवरों में टीम केवल 12 रन ही बना सकी। कप्तान हेली मैथ्यूज ने कुछ आकर्षक शॉट लगाए, लेकिन विवादास्पद फैसले का शिकार होकर 14 रन पर आउट हो गईं। इसके बाद डिएंड्रा डॉटिन ने तेजी से रन बनाने की कोशिश की, लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल सकीं। मध्यक्रम भी दबाव में बिखर गया और टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। अंतिम ओवरों में चिनेल हेनरी ने संघर्ष करते हुए नाबाद 51 रन बनाए, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सकीं। वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में 5 विकेट पर 148 रन ही बना सकी। इंग्लैंड की ओर से चार्ली डीन ने दो विकेट झटके, जबकि अन्य गेंदबाजों ने भी कसी हुई गेंदबाजी कर वेस्टइंडीज को लक्ष्य से काफी दूर रखा। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया, जबकि वेस्टइंडीज को अब अगले मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन की जरूरत होगी।

रणवीर बने भारत के सबसे महंगे एक्टर

धुरंधर से 325 करोड़ रुपए की कमाई का दावा; शाहरुख-रजनीकांत जैसे एक्टर्स को पीछे छोड़ा

अभिनेता रणवीर सिंह अपनी फिल्म सीरीज 'धुरंधर' की सफलता के बाद भारत के सबसे महंगे स्टार बन गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, रणवीर ने इस फिल्म के दोनों भागों से कुल 325 करोड़ रुपए की कमाई की है। उन्होंने फिल्म के लिए कोई फिक्स फीस नहीं ली थी, बल्कि प्रॉफिट शेयरिंग (मुनाफे में हिस्सेदारी) का विकल्प चुना था। 'धुरंधर' ने दुनियाभर में 3100 करोड़ रुपए का ग्रॉस कलेक्शन किया है। इस कमाई के साथ रणवीर सिंह ने शाह रुख खान, रजनीकांत और अल्लू अर्जुन जैसे बड़े स्टार्स की कमाई का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

धुरंधर फ्रेंचाइजी में रणवीर सिंह ने एक भारतीय जासूस का रोल प्ले किया है। जबकि दोनों ही पार्ट का डायरेक्शन आदित्य धर ने किया है। धुरंधर फ्रेंचाइजी में रणवीर सिंह ने एक भारतीय जासूस का रोल प्ले किया है। जबकि दोनों ही पार्ट का डायरेक्शन आदित्य धर ने किया है।

दोनों फिल्मों ने की 3100 करोड़ की कमाई

'धुरंधर' के दोनों भागों ने दुनियाभर में 3100 करोड़ रुपए का ग्रॉस कलेक्शन किया है। सिर्फ भारत में ही फिल्म का नेट कलेक्शन 1900 करोड़ रुपए से ज्यादा रहा है। फिल्म के मुनाफे का सबसे बड़ा हिस्सा जियो स्टूडियोज को मिला है, जिसके बाद आदित्य धर के बी62 स्टूडियोज का नंबर है। हालांकि, कलाकारों में रणवीर का हिस्सा सबसे ज्यादा है। अभिनेता या मेकर्स की तरफ से अभी इन आंकड़ों की ऑफिशियल पुष्टि नहीं की गई है।

फीस छोड़ने का फैसला किया था

ट्रेड अनुमानों के मुताबिक, रणवीर सिंह ने 'धुरंधर' फिल्म के लिए अपनी रेगुलर फीस छोड़ दी थी। उन्होंने मेकर्स के साथ मुनाफे में हिस्सेदारी तय की थी। जब फिल्म का बजट बढ़ा, तो रणवीर ने खुद भी प्रोजेक्ट में पैसा लगाया था। फिल्म की कमाई के बाद अब उन्हें थिएट्रिकल कलेक्शन, डिजिटल, सैटेलाइट और म्यूजिक राइट्स के हिस्से के रूप में 325 करोड़ रुपए मिले हैं।

श्वेता ने छोड़ा AMMA के अध्यक्ष का पद

फिल्म बॉडी की पूरी कमेटी ने दिया इस्तीफा

अभिनेत्री श्वेता मेनन ने AMMA के प्रेसिडेंट पद से इस्तीफा दे दिया है। सबसे खास बात ये है कि उनके साथ पूरी कमेटी ने ही सामूहिक इस्तीफा दिया है। एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स की एग्जीक्यूटिव कमेटी ने अपनी सालाना आम बैठक में तीखी बहस के बाद सामूहिक रूप से इस्तीफा दे दिया है। AMMA की प्रेसिडेंट श्वेता मेनन ने पुष्टि की कि लीडरशिप के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाए जाने के बाद उनके समेत 17 सदस्यीय पूरी कमेटी ने पद छोड़ दिया।

यह इस्तीफा सदस्यों के एक वर्ग में साफ तौर पर दिख रही नाराजगी के बाद आया। बताया जा रहा है कि बैठक के दौरान कई सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए थे। इस घटनाक्रम ने मौजूदा कमेटी के लिए एक बड़ा मोड़ ला दिया है, जिसने 2025 में इतिहास रचा था जब एक्ट्रेस श्वेता मेनन प्रेसिडेंट बनी थीं और एक्ट्रेस कुकू परमेश्वरन ने जनरल सेक्रेटरी का पद संभाला था। मनोरमा ऑनलाइन की रिपोर्ट के अनुसार, मीटिंग के बाद श्वेता ने पत्रकारों से कहा, 'एक्जीक्यूटिव कमेटी के सभी सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया है। कोषाध्यक्ष फरार हो गए थे। जब ्रूके ऑफिस मैनेजर को नौकरी से निकाला गया और उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, तो इस मामले पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। इसके बजाय कोषाध्यक्ष ही गायब हो गए, जिसका मतलब था कि हम उस समय का हिसाब-किताब पेश नहीं कर सके। 1 सितंबर से हमारे सभी हिसाब-किताब ठीक-ठाक थे। मैं बस इतना ही कह सकती हूं कि मुझे राहत है कि अब मैं ्रूकी सदस्य नहीं हूं।'

'टाइपकास्टिंग से लगता है डर'

रणवीर शौरी ने बताया क्यों हर बार नया करने की करते हैं कोशिश?

एक्टर रणवीर शौरी अपनी वर्सटैलिटी के लिए जाने जाते हैं। वो अक्सर अपने किरदारों के साथ प्रयोग करते रहते हैं। एक्टर का मानना है कि उन्हें टाइपकास्ट होने से सबसे ज्यादा डर लगता है। इसीलिए वो अपने किरदारों के साथ अलग-अलग तरह का प्रयोग करते रहते हैं।

हालिया बातचीत में रणवीर शौरी ने अपने किरदारों और टाइपकास्ट होने के डर को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि मैंने कभी भी एक जैसे रोल दोहराने की कोशिश नहीं की, क्योंकि मैं फिल्म इंडस्ट्री के बाहरी दायरे में पला-बढ़ा हूं। जब से मैं एक्टर बना हूं, टाइपकास्टिंग का डर मुझे परेशान करता रहा है और इसी बात ने मेरे कई फैसलों पर असर डाला है। इसलिए हर बार मैं कुछ नया और बिल्कुल अलग करने की कोशिश करता हूं। मेरी यही कोशिश रहती है।

'पिरामिड स्कीम' में नजर आए रणवीर

रणवीर शौरी हाल ही में प्राइम वीडियो की सीरीज 'पिरामिड स्कीम' में नजर आए हैं। सात एपिसोड की यह सीरीज भारत में 'मल्टी-लेवल मार्केटिंग' और पोंजी स्कीम के नाम पर होने वाले करोड़ों के घोटालों की कड़वी सच्चाई को उजागर करती है। सीरीज की कहानी सांस्कृतिक रूप से समृद्ध हरिद्वार पर आधारित है।

इसमें गोल्डी नाम के एक आकर्षक और मेहनती युवा की कहानी है जो बेहतर जिंदगी की तलाश में है, लेकिन किसी तरह पिरामिड मार्केटिंग की चकाचौंध भरी और अजीब तरह से भरोसेमंद लगने वाली दुनिया में फंस जाता है। इस सीरीज़ को श्रेयांश पांडे ने बनाया है और आशीष आर. शुक्ला और पांडे ने इसे डायरेक्ट किया है।

'महाभारत' की 'कुंती' ने डेढ़ साल पहले चोरी-छिपे कर ली थी शादी

'महाभारत' में 'कुंती' के रोल से फेमस हुईं एक्ट्रेस शफक नाज ने फैंस को ये बताकर चौंका दिया है कि उन्होंने डेढ़ साल पहले ही शादी कर ली है। अपने पति जीशान के साथ फोटोज शेयर करते हुए शफक ने खुशखबरी शेयर की। टीवी एक्ट्रेस शफक नाज ने अपनी जिंदगी से जुड़ी एक बड़ी बात बताकर फैंस को हैरान कर दिया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर बताया कि उनकी शादी को डेढ़ साल से ज़्यादा हो चुके हैं और उन्होंने अपने पति जीशान से सबको मिलवाया। शादी की कई तस्वीरें शेयर करते हुए शफक ने बताया कि उन्होंने 31 अक्टूबर, 2024 को गुपचुप तरीके से शादी की थी। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि उन्होंने अब तक इस खबर को छिपाकर रखा था, क्योंकि वह अपनी जिंदगी के इस खास हिस्से को लोगों की नजरों से दूर एन्जॉय करना चाहती थीं। 21 जून को शफक नाज ने इंस्टाग्राम पर अपने पति जीशान के साथ प्यार भरी तस्वीरें शेयर कीं। तस्वीरों में एक्ट्रेस लाल टॉप और सफेद ट्राउजर में बहुत खूबसूरत लग रही हैं, जबकि जीशान ने नेवी-ब्लू शर्ट और जींस पहनी है। कपल मस्कट के एक बीच पर हाथ में हाथ डाले घूमते और पोज देते हुए नजर आ रहा है। एक तस्वीर में दोनों एक-दूसरे को प्यार से गले लगाते हुए दिख रहे हैं, और शफक ने एक ब्रेसलेट भी दिखाया है जिस पर उनके नाम जी और शफक लिखे हैं। बाकी तस्वीरों में कपल रोमांटिक पोज देते और साथ में अच्छा समय बिताते हुए दिख रहा है।

बोले- 'बहुत बुरा आदमी है'

जैकलीन के बॉडीगार्ड से नाराज हुए फैंस?

अभिनेत्री जैकलिन फर्नांडीस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो मुंबई में हुए एक इवेंट का है, जिसमें जैकलीन शामिल हुईं। वायरल हो रहे इस वीडियो में एक्ट्रेस के बॉडीगार्ड का बर्ताव सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। वीडियो में जैकलिन अपने फैंस के साथ तस्वीरें खिंचवाने की कोशिश करती दिख रही हैं, जबकि उनका बॉडीगार्ड उनकी कलाई पकड़कर उन्हें रोक रहा है।

नेटिजंस ने जताई नाराजगी

हालांकि, बॉडीगार्ड के उन्हें स्टेज से दूर ले जाने की कोशिश के बावजूद एक्ट्रेस ने अपने फैंस के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। लेकिन जैकलीन के बॉडीगार्ड के बर्ताव से इंटरनेट यूजर्स काफी नाराज हैं। एक यूजर ने वीडियो पर कमेंट किया, 'बहुत बुरा आदमी है। बॉडीगार्ड उनकी इज्जत नहीं करता। बहुत से लोग ऐसे लोगों को पसंद नहीं करते।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'प्रोटेक्टिव है सही पर उसको टच करने का राइट किसने दिया? बिना टच किए प्रोटेक्ट करे।' एक यूजर ने कहा, 'भाई ये एक्टर्स किसी दूसरे को टच नहीं होने देते, इसलिए बॉडीगार्ड दूर कर रहा है। पहले से समझा कर रखते हैं इन्हें।'

सामंथा की फिल्म की सफलता पर राम चरण ने लुटाया प्यार, बोले-

तुम हमेशा से गरिमा और आत्मविश्वास की मिसाल रही हो

सामंथा रुथ प्रभु की फिल्म 'मां इंटी बंगारम' को रिलीज के बाद दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. इसी बीच राम चरण ने सोशल मीडिया पर सामंथा की तारीफ करते हुए खास पोस्ट शेयर किया. सामंथा रुथ प्रभु की नई फिल्म 'मां इंती बंगारम' इन दिनों अपनी सफलता को लेकर चर्चा में है. रिलीज से पहले ही फिल्म ने बड़ा रिकॉर्ड बना लिया था. दरअसल, इसके थिएटर, OTT और टीवी राइट्स के लिए कई खरीदारों ने दिलचस्पी दिखाई, जिसके चलते मेकर्स रिलीज से पहले ही फिल्म का पूरा बजट रिकवर करने में सफल रहे. अब सिनेमाघरों में रिलीज के बाद भी फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. इसी बीच साउथ सुपरस्टार राम चरण ने सोशल मीडिया पर सामंथा की जमकर तारीफ करते हुए एक खास पोस्ट शेयर किया, जिसने फैंस का ध्यान खींच लिया. आखिर उन्होंने एक्ट्रेस के लिए क्या कहा और फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर कितना कलेक्शन किया? राम चरण ने अपने अकाउंट पर सामंथा के लिए एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया. उन्होंने लिखा कि सामंथा हमेशा से मजबूत इरादों वाली, आत्मविश्वासी और शानदार इंसान रही हैं. उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, 'प्रिय सामंथा, तुम हमेशा से ताकत, गरिमा और आत्मविश्वास की मिसाल रही हो. ' राम चरण ने सिर्फ सामंथा ही नहीं, बल्कि फिल्म की पूरी टीम को भी बधाई दी. उन्होंने कहा कि उन्हें फिल्म के बारे में बहुत अच्छी बातें सुनने को मिल रही हैं और पूरी टीम इस सफलता की हकदार है.

निर्जला एकादशी पर काशी में लाखों श्रद्धालुओं ने पवित्र गंगा में लंगाई आस्था की डुबकी, किया दानपुण्य

एजेंसी

वाराणसी : उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी (काशी) में निर्जला एकादशी पर गुरूवार को लाखों सनातनी श्रद्धालुओं ने पवित्र गंगा नदी में पुण्य की डुबकी लगाई और गंगा घाटों पर दानपुण्य किया। स्नान पर्व पर गंगा स्नान के लिए के लिए भोर से ही श्रद्धालु गंगाघाटों पर पहुंचने लगे। गंगा स्नान के लिए प्राचीन दशाश्वमेध घाट, राजेन्द्र प्रसाद घाट, शीतलाघाट, अहिल्याबाई घाट, पंचगंगा घाट, सामनेघाट भारी भीड़ जुटी रही। स्नानार्थियों के चलते गौदोलिया से दशाश्वमेधघाट तक मेले जैसा नजारा रहा। जिला प्रशासन ने गंगा तट से लेकर बाबा विश्वनाथ दरबार तक सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए थे। शीतलाघाट के तीर्थ पुरोहित दिनेश उपाध्याय ने बताया कि सनातन धर्म में निर्जला एकादशी का बहुत महत्व है। यह दिन चराचर जगत के स्वामी भगवान विष्णु को समर्पित है । इसे साल की सभी एकादशियों में सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन व्रत रखने से भक्तों को पुण्य लाभ मिलता है और पूरे साल के एकादशी व्रत का फल प्राप्त होता है। तीर्थ पुरोहित ने बताया कि एकादशी के दिन सनातनी चावल नहीं खाते और न ही चावल दान करते है। इस दिन फल फूल आम, केला इत्यादि दान करते हैं। गगरी भरकर जल ब्राह्मण को दान करते हैं। ज्येष्ठ माह की एकादशी 'निर्जला एकादशी ' को भीम एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। निर्जला एकादशी व्रत मन को संयम सिखाता है और शरीर को नई ऊर्जा देता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इस एकादशी में ब्रह्महत्या सहित समस्त पापों का शमन करने की शक्ति होती है। इस दिन मन, कर्म, वचन द्वारा किसी भी प्रकार का पाप कर्म करने से बचने का प्रयास करना चाहिए। साथ ही तामसिक आहार, परनिंदा एवं दूसरों के अपमान से भी दूर रहना चाहिए। भक्तिपूर्वक इस व्रत को करने से व्रती को करोड़ों गायों को दान करने के समान फल प्राप्त होता है।

लखनऊ : उत्तर प्रदेश में स्थापित होगा एकीकृत ट्रॉमा एवं इमरजेंसी नेटवर्क

एजेंसी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव एस.पी. गोयल की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोजित बैठक में प्रदेश में ट्रॉमा एवं आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ एवं अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से राज्य स्तर पर एकीकृत ट्रॉमा एवं इमरजेंसी नेटवर्क (यूपीटीईएन) की स्थापना के संबंध में एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया। प्रस्तुतीकरण के उपरांत मुख्य सचिव ने एकीकृत ट्रॉमा एवं इमरजेंसी नेटवर्क की स्थापना के प्रस्ताव पर अपनी सहमति व्यक्त करते हुए आवश्यक अनुमोदन प्राप्त होने के पश्चात आगे की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, अमित कुमार घोष ने बताया कि प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं, गंभीर जलन, हृदयाघात, स्ट्रोक, सेप्सिस, विषाक्तता तथा प्रसूति एवं बाल चिकित्सा संबंधी आपात स्थितियों के प्रभावी प्रबंधन के लिए वर्तमान में एक समन्वित एवं एकीकृत प्रणाली का अभाव है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए ट्रॉमा एवं आपातकालीन सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए गठित टेक्निकल टास्क फोर्स कमेटी ने राज्यव्यापी एकीकृत ट्रॉमा एवं आपातकालीन प्रणाली की स्थापना की संस्तुति की है। इसके अंतर्गत स्तर-1 में 11 शीर्ष एवं प्रमुख शिक्षण संस्थानों को शामिल किया जाएगा, जबकि स्तर-2 में 36 मेडिकल कॉलेजों को जोड़ा जाएगा। स्तर-3 पर प्राथमिक स्तर पर मरीजों के स्थिरीकरण (स्टेबलाइजेशन) के लिए 126 केंद्रों को चिन्हित किया गया है। इसके अतिरिक्त प्रारंभिक चरण में 137 निजी चिकित्सा संस्थानों को भी नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। इस प्रकार यूपीटीईएन के प्रथम चरण में कुल 310 चिकित्सा इकाइयों एवं केंद्रों को शामिल किया जाएगा। आवश्यकता के अनुसार भविष्य में इस नेटवर्क का विस्तार भी किया जा सकेगा। परियोजना को व्यवहारिकता के आधार पर तीन चरणों में लागू किए जाने का प्रस्ताव है। नेटवर्क के प्रभावी संचालन एवं सतत निगरानी के लिए राज्य स्तरीय डिजिटल डैशबोर्ड स्थापित किया जाएगा। इसके माध्यम से सभी आपातकालीन कमांड केंद्रों को तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। यह प्रणाली एम्बुलेंस सेवाओं के साथ समन्वय स्थापित करते हुए रियल-टाइम बेड उपलब्धता का प्रबंधन करेगी, मरीजों के अंतर-संस्थागत स्थानांतरण को सुगम बनाएगी तथा डेटा संकलन एवं शिकायत निवारण के लिए नोडल व्यवस्था के रूप में कार्य करेगी। यूपीटीईएन को राज्य की 108 एम्बुलेंस सेवा तथा 112 आपातकालीन सेवा के साथ भी एकीकृत किया जाएगा, जिससे आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया प्रणाली को और अधिक तीव्र एवं प्रभावी बनाया जा सके। प्रस्तावित व्यवस्था के अंतर्गत आपातकालीन उपचार के प्रथम 48 घंटों तक निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने तथा नेटवर्क को टेलीमेडिसिन एवं डिजिटल स्वास्थ्य प्रणालियों के साथ एकीकृत करने का भी प्रावधान किया गया है। इससे प्रदेश में आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता, पहुंच और दक्षता में उल्लेखनीय सुधार होने की अपेक्षा है। बैठक में सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य डॉ. पिंकी जोवेल, महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ. सारिका मोहन, विशेष सचिव चिकित्सा शिक्षा कृतिका शर्मा, गठित समिति के पदाधिकारीगण, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बारिश से भीगा हिमाचल, अभी नहीं पहुंचा मानसून, जुलाई की शुरूआत में दस्तक की उम्मीद

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश में पिछले 24 घण्टों में झमाझम बारिश हुई और कई क्षेत्रों में मौसम पूरी तरह बदला हुआ नजर आया। हालांकि दक्षिण-पश्चिम मानसून ने अभी तक प्रदेश में दस्तक नहीं दी है। मौसम विभाग के अनुसार हिमाचल में मानसून के पहुंचने की सामान्य तिथि 25 जून मानी जाती है, मगर इस वर्ष इसकी रफ्तार अपेक्षाकृत धीमी बनी हुई है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि केरल में प्रवेश के बाद से ही मानसून सामान्य गति से आगे नहीं बढ़ पाया। इसका असर उत्तर भारत के पर्वतीय राज्यों पर भी दिखाई दे रहा है। अब संभावना जताई जा रही है कि मानसून 30 जून या जुलाई के आरम्भ में हिमाचल प्रदेश में प्रवेश कर सकता है। पिछले वर्ष मानसून ने 20 जून को ही प्रदेश में दस्तक देकर सामान्य समय से पांच दिन पहले आगमन दर्ज कराया था। प्रदेश में गुरुवार को भी मौसम खराब बना हुआ है। राजधानी शिमला समेत कई इलाकों में सुबह से बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग के अनुसार वर्तमान में प्रदेश में जो बारिश हो रही है, वह पश्चिमी विक्षोभ और स्थानीय मौसमी परिस्थितियों के प्रभाव से हो रही है। विभाग ने बताया है कि मानसून की उत्तरी सीमा फिलहाल सूरत, इंदौर, मंडला, डाल्टनगंज, मोतिहारी और नेपाल के कुछ हिस्सों तक पहुंच चुकी है। अगले कुछ दिनों में इसके और आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक 48.2 मिलीमीटर वर्षा कांगड़ा जिले के नगरोटा सूरियां में रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा घमरूर में 39.4 मिलीमीटर, मलराओं में 33 मिलीमीटर, सुंदरनगर में 30.2 मिलीमीटर और बिलासपुर सदर में 25.2 मिलीमीटर बारिश हुई। शिमला में 10.1 मिलीमीटर, सोलन में 12.5 मिलीमीटर, धर्मशाला में 4.3 मिलीमीटर, पालमपुर में 2.8 मिलीमीटर तथा मंडी में 1.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। बारिश के साथ कई स्थानों पर गर्जन और चमक की घटनाएं भी सामने आईं। शिमला, सुंदरनगर, मुरारी देवी और कांगड़ा में बिजली चमकने की गतिविधियां दर्ज की गईं, जबकि सुंदरनगर में ओलावृष्टि भी हुई।

सिमरी बख्तियारपुर बाजार में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, दो दुकान जलकर राख

एजेंसी

सहरसा : अनुमंडल मुख्यालय सिमरी बख्तियारपुर स्थित बाजार के दुर्गा स्थान गली में गुरुवार की अहले सुबह शॉर्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई। इस भयावह हादसे में दो दुकानें पूरी तरह जलकर राख हो गईं।जिसमें लाखों रुपये की क्षति का अनुमान है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गुरुवार तड़के करीब 3 बजे जुबली टेलर्स नामक दुकान से अचानक धुआं और आग की लपटें उठने लगी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और बगल की दुकान को भी अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों ने तुरंत तत्परता दिखाते हुए स्थानीय पुलिस और अग्निशमन विभाग को घटना की सूचना दी। हालांकि, लोगों का आरोप है कि दमकल की गाड़ी काफी देर से पहुंची, तब तक आग विकराल रूप ले चुकी थी। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि जब जलती हुई दुकान का शटर खोला गया, तो आग की लपटें पास लगे बिजली के पोल तक पहुंच चुकी थीं। इस आपातकालीन स्थिति के बावजूद बिजली विभाग द्वारा समय पर बिजली आपूर्ति बंद नहीं की गई। करंट प्रवाहित होने के डर से आग बुझाने के काम में काफी बाधा आई और खतरा बना रहा।आक्रोशित लोगों का कहना है कि यदि बिजली विभाग समय रहते बिजली काट देता और दमकल की गाड़ी समय पर पहुंच जाती, तो नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता था। अग्निशमन कर्मियों और स्थानीय युवाओं के सामूहिक प्रयासों व लगभग दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस हादसे में जुबली टेलर्स के प्रोपराइटर मोहम्मद आतिक और हाल ही में शुरू हुई कोमल वस्त्रालय की संचालिका चंचल देवी का सब कुछ जलकर स्वाहा हो गया। दोनों दुकानदारों को भारी आर्थिक क्षति पहुंची है।

आपातकाल लोकतंत्र पर सबसे बड़ा प्रहार काली पट्टी बांध भाजपा ने निकाला विरोध मार्च

एजेंसी

सीवान : भारतीय जनता पार्टी द्वारा 25 जून 1975 को लागू किए गए आपातकाल की वर्षगांठ को ₹काला दिवस₹ के रूप में मनाते हुए गुरुवार को विशाल विरोध मार्च एवं जन-जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाबीरी पथ स्थित भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रो. अभिमन्यु सिंह के आवास से प्रारंभ हुआ मार्च जेपी चौक पहुंचकर सभा में तब्दील हो गया। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं सैकड़ों कार्यकताओं ने भाग लिया तथा लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले लोकतंत्र सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष राहुल तिवारी ने कहा कि 25 जून 1975 को कांग्रेस सरकार द्वारा देश पर थोपा गया आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का एक काला अध्याय था। उन्होंने आरोप लगाया कि उस दौर में संविधान की मूल भावना, लोकतांत्रिक अधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचलने का प्रयास किया गया। आपातकाल ने न केवल भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं को आघात पहुंचाया, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों को भी दमन और प्रताड़ना का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम का उद्देश्य नई पीढ़ी को उस दौर की वास्तविकताओं से अवगत कराना है। जिला उपाध्यक्ष धनंजय सिंह ने कहा कि 25 जून भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास का काला दिवस है। उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल में आम नागरिकों की आवाज को दबाया गया तथा लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन हुआ। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए समाज को सदैव सजग रहने की आवश्यकता है और नई पीढ़ी को यह जानना चाहिए कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा कितने संघर्षों और बलिदानों से संभव हुई है। भाजपा नेता राजेश श्रीवास्तव ने कहा कि आज भी आपातकाल के उस दौर को याद कर मन व्यथित हो उठता है। उन्होंने कहा कि उस समय राजनीतिक कार्यकताओं, पत्रकारों, लेखकों, कवियों और सामाजिक कार्यकताओं को प्रताड़नाएं झेलनी पड़ीं। समाचार पत्रों पर सेंसरशिप लागू की गई और विरोध के स्वरों को दबाने का प्रयास हुआ। यही कारण है कि आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास के सबसे कठिन और पीड़ादायक दौरों में गिना जाता है।

सराफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली, 25 जून (हि.स.)। घरेलू सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई कमजोरी के कारण आज चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सराफा बाजार में सोना 250 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 270 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 2,100 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,290 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की बड़ी गिरावट आई है। चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,44,320 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,32,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,33,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज भी 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,44,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,45,630 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,33,490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,44,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,44,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,44,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,32,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,44,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह

न्यूज IN ब्रीफ

बलरामपुर : पत्नी से विवाद के बाद सीआरपीएफ जवान ने दी जान, जम्मू-कश्मीर में थी तैनाती

बलरामपुर : छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कुंदीकला में बुधवार शाम एक दुखद घटना सामने आई। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान राजाराम प्रजापति ने घर के बाहर आम के पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिजन और ग्रामीण उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार, राजाराम प्रजापति सीआरपीएफ में जवान के पद पर कार्यरत था और उसकी तैनाती जम्मू-कश्मीर में थी। वह कुछ दिन पहले ही अवकाश लेकर अपने पैतृक गांव कुंदीकला आया था। बताया जा रहा है कि घर आने के बाद से ही उसका अपनी पत्नी के साथ विवाद चल रहा था। परिजनों के मुताबिक बुधवार को भी पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। विवाद के बाद राजाराम घर से रस्सी लेकर निकल गया। कुछ देर बाद उसने घर के बाहर स्थित आम के पेड़ पर चढ़कर फांसी लगा ली। घटना की जानकारी मिलते ही उसकी मां पीछे-पीछे दौड़ी और शोर मचाया। आवाज सुनकर परिजन और आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उस समय राजाराम की सांसें चल रही थीं। लोगों ने तत्काल उसे फंदे से नीचे उतारा और इलाज के लिए अंबिकापुर अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के स्वजनों का आरोप है कि राजाराम काफी समय से पारिवारिक तनाव से गुजर रहा था। उनका कहना है कि पत्नी और ससुराल पक्ष द्वारा उसे लगातार परेशान किया जाता था, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान रहने लगा था। परिजनों ने बताया कि दिसंबर 2025 में भी उसने आत्महत्या का प्रयास किया था। उस दौरान उसने कथित रूप से जहरीला पदार्थ सेवन कर लिया था। घटना से पहले उसने एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया था, जिसमें पत्नी और ससुराल पक्ष पर प्रताड़ित करने तथा पैसों की मांग करने जैसे आरोप लगाए थे। जहर सेवन की घटना के बाद राजाराम का लंबे समय तक इलाज चला था। परिजनों के अनुसार करीब डेढ़ माह तक दो अलग-अलग अस्पतालों में उपचार के बाद उसकी हालत में सुधार हुआ था। स्वस्थ होने के बाद वह वापस अपनी ड्यूटी पर लौट गया था। हालांकि, इसके बावजूद पारिवारिक विवाद समाप्त नहीं हुआ और तनाव लगातार बना रहा।

आज होगा पोस्टमार्टम, जांच में जुटी पुलिस

देर शाम घटना होने के कारण शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया जा सका। आज गुरुवार को अंबिकापुर में पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, जिसके बाद शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंपा जाएगा। इधर, राजपुर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट, परिजनों के बयान और अन्य तथ्यों के आधार पर मामले की विस्तृत जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सीईटी ग्रुप-डी के लिए साढ़े तीन लाख से अधिक युवाओं ने भरे फार्म

चंडीगढ़ : हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) द्वारा ग्रुप डी सीईटी के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षा के लिए अब तक पंजीकरण करने वालों की संख्या साढ़े तीन लाख के पार हो चुकी है। आवेदन के लिए तीन जुलाई अंतिम दिन है। आयोग का मानना है कि अगले सप्ताह के दौरान बड़ी संख्या में युवा आवेदन कर सकते हैं। फाइनल सब्मिशन वालों का आंकड़ा आठ लाख तक पहुंच सकता है। ग्रुप-डी भर्ती-2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 19 जून से शुरू की गई है। अभ्यर्थी 3 जुलाई रात 11:59 बजे तक आवेदन कर सकेंगे। आवेदन शुल्क जमा कराने की अंतिम तिथि 6 जुलाई निर्धारित की गई है। आयोग ने अभ्यर्थियों को आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार का भी अवसर दिया है। उम्मीदवार 7 जुलाई से 9 जुलाई तक अपने आवेदन में संशोधन कर सकेंगे। परीक्षा और एडमिट कार्ड जारी करने की तिथि बाद में अलग से घोषित की जाएगी। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष हिम्मत सिंह ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि अब तक कुल तीन लाख 88 हजार 551 अभ्यर्थियों ने सीईटी ग्रुप डी के लिए पंजीकरण किया है। इनमें से दो लाख 14 हजार 699 ने सभी औपचारिकताएं पूरी करके फाइनल सब्मिशन कर दिया है। सिंह ने बताया कि अभी भी कुछ अभ्यर्थी अपना फार्म स्वयं न भरकर किसी दूसरे से अथवा सीएससी सेंटरों से भरवा रहे हैं। ऐसे में अभ्यर्थियों को अपने फार्म की खामियां तथा अन्य कई तरह की दिक्कतों के बारे में पता नहीं लग रहा है। ऐसे में बेहतर होगा अभ्यर्थी अपना फार्म स्वयं भरें तथा फाइनल सब्मिट करने से पहले दो बार जांच जरूर करें। आयोग द्वारा अपने आधिकारिक साइट तथा सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर नियमित रूप से अपडेट दिया जा रहा है।

सोनभद्र सड़क दुघर्टना में दो की मौत, 3 घायल

सोनभद्र : उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में चोपन थाना क्षेत्र के वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर किनारे खड़े अज्ञात वाहन में पीछे से एक तेज रफ्तार अनियंत्रित मैजिक वाहन ने टक्कर मार दी जिससे उस पर सवार दो लोगों की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस सूत्रों के अनुसार गुरुवार की अल सुबह एक तेज रफ्तार मैजिक वाहन अनियंत्रित होकर वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर गुरूदेव आश्रम गुरूमुरा के पास सड़क किनारे खड़ी किसी अज्ञात वाहन में पिछे से टक्कर मार दिया। टक्कर इतनी तेज थी की मैजिक मे सवार दो युवक 32 वर्षीय मनोज कुमार पुत्र स्व रामध्यान मौर्या, निवासी लोढी राबर्टसगंज व 36 वर्षीय श्याम बाबू पुत्र रामदुलारे निवासी छपका की मौके पर मौत हो गई। मैजिक वाहन चला रहे चालक 42 वर्षीय चन्दन गुप्ता पुत्र राजकुमार निवासी चुर्क, 21 वर्षीय शिवा पुत्र राजमन निवासी छपका रावर्टसगंज और 21 वर्षीय विनय कुमार पुत्र स्व शिव प्रसाद निवासी गढ़वाल दुद्धी घायल हो गए। दुर्घटना देखकर राहगीरों ने पीआरवी पुलिस और चोपन पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर पहुंची चोपन पुलिस ने सभी घायलों को इलाज हेतु चोपन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया। दुर्घटना में मनोज कुमार का शव मैजिक में फंसा रहा जिसे कड़ी मशक्कत से चार घंटे के बाद बाहर निकाला जा सका। घटना में घायल चंदन गुप्ता को चोपन स्वास्थ्य केन्द्र से बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया और दोनों घायलों को हल्की चोटें आने की वजह से प्राथमिक उपचार के उपरांत घर जाने के लिए छुट्टी दे दी गई। इस सन्दर्भ में चोपन थाना के उप निरिक्षक विनोद यादव ने बताया की एक मैजिक पर डीजे लेकर बारात लगाने के लिए कुछ लोग कल बुधवार को दुद्धी गये थे। आज सुबह यह लोग लौट रहे थे तभी गुरूमुरा के पास दूर्घटना हो गई जिसमें दो लोग मनोज और श्याम बाबू की मौत हो गई है। दोनों शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। घटना में शामिल वाहन की तलाश की जा रही है और तहरीर मिलने मुकदमा पंजीकृत किया जाएगा।

स्वदेशी गोवंश संरक्षण में ग्रामीण परिवारों की आर्थिक समृद्धि को मिलेगा बढ़ावा

हमीरपुर : उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में प्रदेश सरकार द्वारा दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने, स्वदेशी गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन तथा ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से संचालित मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना एवं मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना के अंतर्गत पात्र गोपालकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। उप दुग्धशाला विकास अधिकारी/जिला समन्वयक, नन्दबाबा दुग्ध मिशन, हमीरपुर ने बुधवार को,बताया कि मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना के अंतर्गत दो उन्नत नस्ल की स्वदेशी गायों की इकाई स्थापना पर लाभार्थियों को स्थापना लागत का 40 प्रतिशत अथवा अधिकतम 80 हजार रुपये तक का अनुदान प्रदान किया जाएगा। वहीं मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना के अंतर्गत 10 उन्नत स्वदेशी नस्ल की गायों की इकाई स्थापना पर स्थापना लागत का 50 प्रतिशत अथवा अधिकतम 11.80 लाख रुपये तक का अनुदान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि दोनों योजनाओं का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में स्वदेशी गोवंश का संरक्षण एवं संवर्धन, दुग्ध उत्पादन में वृद्धि तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित करना है। योजनाएं प्रदेश के सभी 75 जनपदों में संचालित की जा रही हैं। इसके अंतर्गत गिर, साहीवाल, थारपारकर एवं हरियाणा नस्ल की उन्नत स्वदेशी गायों के क्रय पर अनुदान प्रदान किया जाएगा। क्रय की जाने वाली गाय प्रथम अथवा द्वितीय ब्यांत की होनी चाहिए। मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना के अंतर्गत 10 स्वदेशी गायों के क्रय पर अनुमानित लागत लगभग 23.60 लाख रुपये निर्धारित की गई है। इकाई स्थापना हेतु लगभग 0.20 एकड़ (8712 वर्ग फुट) भूमि की आवश्यकता होगी तथा वर्षभर हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने की व्यवस्था भी आवश्यक होगी। उन्होंने बताया कि दोनों योजनाओं में महिला दुग्ध उत्पादकों एवं गोपालकों को विशेष प्राथमिकता प्रदान की गई है तथा कुल निर्धारित लक्ष्य का 50 प्रतिशत चयन महिलाओं के लिए आरक्षित रखा गया है। इच्छुक लाभार्थी नन्दबाबा दुग्ध मिशन पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना हेतु आवेदन प्रक्रिया 10 जुलाई 2026 तक चलेगी, जबकि मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना के लिए आवेदन 21 जुलाई 2026 तक किए जा सकते हैं। योजनाओं से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश एवं पात्रता संबंधी जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध है।

न्यूज IN ब्रीफ

वार्ड पार्षद लीला प्रसाद के पौत्र अर्क का अन्नप्राशन हुआ संपन्न

चक्रधरपुर वार्ड संख्या तीन की लोकप्रिय वार्ड पार्षद श्रीमती लीला प्रसाद व रामचंद्र प्रसाद के पौत्र तथा वरीय अधिवक्ता कुमार विवेक के पुत्र अर्क का अन्नप्राशन हुआ संपन्न इस अवसर पर दादी - दादा एवं परिजनों ने अन्नप्राशन के अवसर पर नन्हे अर्क को अन्न खिलाकर अन्नप्राशन करवाया।इस अवसर पर सभी ने नन्हे अर्क को आशीर्वाद भी दिया।

श्रीकांत प्रत्यूष ने पत्रकारिता के मुहिम को हमेशा लक्ष्य तक पहुंचाया

बिनय मिश्रा : श्रीकांत प्रत्यूष बिहार के ऐसे पत्रकार है जो निर्भीकता और पत्रकारिता के मुहिम को हमेशा लक्ष्य तक पहुंचाने का कार्य किया है भरत तिवारी के एनकाउंटर के पश्चात एसपी आवास पहुंचकर उन्होंने एसपी से मिलने के लिए जो सटीक वातार्लाप की वह अपने आप में निर्भीकता का परिचायक है हमें गर्व है ऐसी पत्रकारिता पर जिन्होंने सत्य और सच को पूरे प्रकरण को सबों के समक्ष रखा और अपनी बात भी बेबाक रूप से मैं भी पत्रकारिता क्षेत्र से विगत 35 वर्षों से जुड़ा हूं और मैं श्रीकांत प्रत्यूष का बहुत बड़ा प्रशंसक और समर्थक हो क्योंकि ऐसी पत्रकारिता से हमें काफी कुछ सीखने को मिलती है हमें श्रीकांत प्रत्यूष पर गर्व है और हमेशा रहेगा पत्रकारिता एक मुहीम है सत्य को सबों के समक्ष लाने के जवाब देही भी केवल चाटुकारिता और सत्य से मुंह फेर कर महज केवल लोगों को जानकारी सही देने की जवाब देही का निर्माण अपने आप में एक उपलब्धि ही है हमें गर्व है लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर और विशेष कर श्रीकांत प्रत्यूष पर भी लिए ऐसी पत्रकारिता का हमेशा अभिनंदन करें और उन्हें पत्र क्षेत्र का प्रेरणा स्त्रोत भी माने

चाईबासा से सिखों की धार्मिक तीर्थ यात्रा नांदेड़ के लिए रवाना

चाईबासा : गुरूद्वारा नानक दरबार चाईबासा से आज सिखों की धार्मिक तीर्थ यात्रा के लिए बीस यात्रियों का एक जत्था महाराष्ट्र के नांदेड़ शहर स्थित गुरूद्वारा तख्त सचखंड श्री हजूर अबचलनगर साहिब के॰ दर्शन के लिए रवाना हुआ। गुरूद्वारा नानक दरबार में इस धार्मिक तीर्थ यात्रा एवं वापसी के लिए ग्रंथी हरभजन सिंह जी द्वारा वाहेगुरु जी के आगे अरदास की गई। यह तीर्थ यात्रा स्त्री सत्संग सभा की प्रधान रानो वालिया जी के अगुवाई में चाईबासा एवं चक्रधरपुर से ट्रेन द्वारा नांदेड़ के लिए रवाना हुई। श्री गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष गुरमुख सिंह खोखर ने इस तीर्थ यात्रा के लिए एवं सकुशल वापसी के लिए सभी को शुभ कामनाएं दीं। गुरमुख सिंह खोखर ने अपने संबोधन में कहा कि भारत में सिखों के पाँच धार्मिक एवं महत्वपूर्ण तख्त हैं। इसमें से एक तख्त महाराष्ट्र में रावी नदी के किनारे नांदेड़ शहर में गुरूद्वारा तख्त श्री सचखंड श्री हजूर साहिब स्थापित है। सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी 1666 से 1708 नांदेड़ में रहे ' उन्होंने 7 अक्टूबर 1708 में श्री हजूर साहिब में अपने प्राण त्यागे ' नांदेड़ के आस पास भी कई एतिहासिक एवं धार्मिक तीर्थ स्थान तथा भव्य गुरुद्वारे स्थापित हैं ' यह जत्था एक सप्ताह सभी धार्मिक गुरुद्वारों के दर्शन करके गुरू घर की खुशियाँ हासिल करेगा। यह तीर्थ यात्रा एक सप्ताह की है। यात्रा 24 जून को नांदेड़ के लिए आरंभ हुई तथा 30 जून को चाईबासा वापसी के बाद समाप्त होगी।

सुधीर महतो की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित

जमशेदपुर : झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री स्वर्गीय सुधीर महतो की जयंती पर गुरुवार को कदमा के उलियान स्थित शहीद सुधीर महतो स्टेडियम सभागार में भव्य श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। शहीद निर्मल स्मारक समिति और शहीद निर्मल सेवा सदन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह कार्यक्रम सुबह 11:00 बजे से शुरू हुआ। समिति के अध्यक्ष लालटू महतो और महासचिव गौतम कुमार बोस ने सभी आंदोलनकारियों, बुद्धिजीवियों और युवाओं का श्रद्धांजलि समारोह में स्वागत किया। लोगों ने श्रद्धांजलि समारोह समारोह में उपस्थित होकर सुधीर महतो को नमन कर और उनके संघर्षों से प्रेरणा लेने का प्रण लिया।

मानगो में अपहरण व रंगदारी के आरोपी से जेल से रिहा

जमशेदपुर : मानगो में फ्लाई ओवर बना रही एजेंसी के सुपरवाइजर व एक अन्य कर्मचारी का अपहरण कर रंगदारी मांगने के आरोपी शिवकुमार गोड़ आकाश प्रधान, शैलेश गोप एवं अन्य की जमानत अर्जी बुधवार को जिला न्यायालय से मंजूर हो गई। इससे आरोपी जेल से रिहा हो गए। अदालत में आरोपियों के बचाव में अधिवक्ता अखिलेश सिंह ने पक्ष रखा। घटना 14 और 15 मई की रात करीब तीन बजे डिमना रोड स्थित सिग्नेचर बिल्डिंग के पास की है। अपहरण के बाद बंधक बनाकर 10 लाख रुपये रंगदारी मांगने का मांगने का केस थाना में विजय कुमार ओझा ने दर्ज कराया था। पुलिस ने उलीडीह क्षेत्र से शिवा गौड़, नितेश गोप, आकाश प्रधान, देवाशीष गोप और शैलेश गोप को गिरफ्तार किया था। बताया जाता है कि, पांच आरोपी सफेद बोलेरो से मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य से जुडे दो लोगों को घेर लिया। रंगदारी के लिए गालीगलौज और मारपीट के बाद दोनों को जबरन वाहन में बैठाकर साथ ले गए थे, जिसे पुलिस ने तत्काल बरामद कर ली थी।

मुहर्रम शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं विधि-व्यवस्था के अनुरूप संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन सतर्क

जुलूस मार्गों का संयुक्त निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने तथा अवांछनीय सामग्री हटाने का निर्देश

बिनय मिश्रा

जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त लोकेश मिश्रा द्वारा जिला संयुक्त आदेश जारी, संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी एवं व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश।

मुहर्रम-2026 के अवसर पर जिले में विधि-व्यवस्था संधारण, सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने तथा पर्व को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त, गोड्डा लोकेश मिश्रा द्वारा जिला संयुक्त आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार मुहर्रम पर्व दिनांक 26 जून 2026 को मनाया जाएगा। पर्व के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से ताजिया एवं निशान जुलूस निकाले जाने तथा अखाड़ों द्वारा पारंपरिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने के मद्देनजर प्रशासन द्वारा व्यापक सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मुहर्रम का पर्व जिले में सदैव आपसी भाईचारे, सामाजिक समरसता एवं शांतिपूर्ण वातावरण में मनाया जाता रहा है। तथापि जुलूस मार्गों पर भीड़, संवेदनशील स्थलों तथा असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाए गए हैं। विशेष रूप से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के चिन्हित संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल एवं दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है।

जारी आदेश के अनुसार गोड्डा नगर थाना, मुफस्सिल थाना, पोड़ैयाहाट, देवडांड़, सुंदरपहाड़ी, पथरगामा, बसंतराय, महागामा, हनवारा, ललमटिया, बोआरीजोर, रजौन, मेहरमा, ठाकुरगंगटी तथा मोतिया ओपी सहित जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में चिन्हित संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। सभी जुलूसों को पूर्व निर्धारित मार्ग एवं समय के अनुरूप संचालित करने का निर्देश दिया गया है तथा बिना अनुमति मार्ग परिवर्तन अथवा अन्य किसी प्रकार की गतिविधि पर रोक रहेगी।

विधि-व्यवस्था संधारण हेतु अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहेंगे तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहेंगे।

पर्व के दौरान जिला नियंत्रण कक्ष एवं अनुमंडल स्तर के नियंत्रण कक्ष 24 घंटे सक्रिय रहेंगे। सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से प्रसारित होने वाले भ्रामक, भड़काऊ अथवा सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले संदेशों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। ऐसे मामलों में दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जिला प्रशासन द्वारा सभी थाना क्षेत्रों में शांति समिति की बैठक आयोजित करने तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों, धर्मगुरुओं एवं समाज के प्रबुद्ध नागरिकों के साथ समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया गया है। शांति समिति की बैठकों में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी जुलूस निर्धारित मार्गों से ही संचालित हों तथा किसी भी प्रकार की अफवाह अथवा असामाजिक गतिविधि को तत्काल प्रशासन के संज्ञान में लाया जाए।

मुहर्रम पर्व के अवसर पर जिले की सभी शराब दुकानें दिनांक 26 जून 2026 को बंद रहेंगी। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए सदर अस्पताल को 24 घंटे कार्यरत रखा जाएगा तथा आवश्यक चिकित्सकीय दल, एम्बुलेंस एवं आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। जिला अग्निशमन विभाग को भी किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने हेतु पूर्ण तैयारी की स्थिति में रहने का निर्देश दिया गया है।

जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने जिलेवासियों से मुहर्रम पर्व को शांति, भाईचारे एवं आपसी सद्भाव के साथ मनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सभी नागरिक प्रशासन का सहयोग करें, अफवाहों पर ध्यान न दें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल संबंधित प्रशासनिक अथवा पुलिस अधिकारियों को दें, ताकि पर्व को सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न कराया जा सके।

यूनिसेफ एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी श्री दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में यूनिसेफ इंडिया कंट्री ऑफिस, यूनिसेफ झारखंड एवं यूनिसेफ की सहयोगी संस्था पीसीआई के प्रतिनिधियों के साथ एक समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में बाल संरक्षण, बाल विवाह की रोकथाम, बाल श्रम उन्मूलन तथा किशोर-किशोरियों के समग्र विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में यूनिसेफ इंडिया कंट्री ऑफिस, नई दिल्ली से चाइल्ड प्रोटेक्शन स्पेशलिस्ट श्री जैरस लिगू, यूनिसेफ झारखंड की चाइल्ड प्रोटेक्शन स्पेशलिस्ट सुश्री प्रीति श्रीवास्तव, पीसीआई की स्टेट प्रोग्राम मैनेजर सुश्री अंकिता तथा यूनिसेफ- सामाजिक सुरक्षा के सहायक निदेशक पीयूष उपस्थित रहे।इसके अलावे बाल विवाह रोकथाम,बाल श्रम उन्मूलन एवं किशोर विकास के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

बैठक के दौरान बाल अधिकारों के संरक्षण एवं बच्चों के समग्र विकास के लिए संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा बाल संरक्षण से जुड़े मुद्दों के प्रभावी समाधान हेतु रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया। इस क्रम में बाल विवाह की रोकथाम, बाल श्रमिकों की पहचान एवं पुनर्वास, सामुदायिक जागरूकता को सुदृढ़ करने तथा किशोर-किशोरियों के सशक्तिकरण और विकास को बढ़ावा देने संबंधी पहलुओं पर विशेष चर्चा हुई। बैठक में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (ठऋऌर-6) के आंकड़ों की भी समीक्षा की गई। आंकड़ों के अनुसार जिले एवं राज्य में बाल विवाह की घटनाओं में कमी दर्ज की गई है, जो एक सकारात्मक संकेत है। हालांकि 15 से 19 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों में गर्भधारण की दर में वृद्धि चिंता का विषय है। इस पर सभी प्रतिभागियों ने किशोर स्वास्थ्य, जागरूकता, शिक्षा, जीवन कौशल विकास एवं आवश्यक सहयोगी सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए और अधिक प्रभावी हस्तक्षेप की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि बाल संरक्षण कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सरकारी विभागों, यूनिसेफ, पीसीआई एवं नागरिक समाज संगठनों के बीच समन्वित प्रयासों को और मजबूत किया जाएगा। सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने, जन-जागरूकता अभियान चलाने, रेफरल प्रणाली को सुदृढ़ करने, किशोर-अनुकूल सेवाओं को प्रोत्साहित करने तथा बाल कल्याण संबंधी गतिविधियों की नियमित निगरानी एवं समीक्षा सुनिश्चित करने पर भी सहमति बनी।उपायुक्त श्री दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने सभी विभागों एवं सहयोगी संस्थाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों और किशोर-किशोरियों के लिए सुरक्षित, संरक्षित एवं विकासोन्मुख वातावरण का निर्माण जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों एवं संस्थाओं से आपसी सहयोग एवं समन्वय के साथ कार्य करते हुए बाल संरक्षण एवं किशोर विकास से जुड़े कार्यक्रमों को और प्रभावी बनाने का आह्वान किया।

चक्रधरपुर रेलवे अस्पताल में शुरू होगी ब्लड बैंक की सुविधा, मरीजों को मिलेगा लाभ : विधायक

संवाददाता

चक्रधरपुर : चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में चक्रधरपुर एवं आसपास के क्षेत्र के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। रेलवे अस्पताल, चक्रधरपुर में जल्द ही ब्लड बैंक की सुविधा प्रारंभ होने जा रही है। इससे आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सकेगा तथा गंभीर रोगियों के उपचार में काफी सहूलियत मिलेगी। ब्लड बैंक की स्थापना की दिशा में पूर्व से प्रयास चल रहे हैं और आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रियाओं के तहत निरीक्षण एवं तैयारियां भी पूरी की जा रही हैं।

ब्लड बैंक की स्थापना की प्रक्रिया के तहत केंद्रीय टीम द्वारा अस्पताल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं, उपकरणों तथा आवश्यक मानकों का जायजा लिया गया। निरीक्षण के उपरांत ब्लड बैंक शुरू करने की दिशा में सकारात्मक प्रगति होने की उम्मीद जताई गई।

चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव ने ब्लड बैंक की स्थापना के लिए विधायक मद से राशि उपलब्ध कराई है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। ब्लड बैंक शुरू होने से चक्रधरपुर, मनोहरपुर, सोनुआ, गोइलकेरा, बंदगांव सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को रक्त के लिए अन्य शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। आपातकालीन स्थिति में समय पर रक्त मिलने से कई मरीजों की जान बचाई जा सकेगी।

उल्लेखनीय है कि रेलवे अस्पताल में पहले से ही आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। ब्लड बैंक की स्थापना से अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक मजबूत होंगी तथा रेलवे कर्मचारियों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए शीघ्र ब्लड बैंक संचालन शुरू होने की उम्मीद जताई है।

मनिका की बेटियों के साथ नौबतपुर में हुई दरिंदगी बर्दाश्त नहीं, दोषियों को मिले फांसी : अनीता देवी

लातेहार : बिहार के नौबतपुर में लातेहार जिले के मनिका प्रखंड की दो सगी बहनों के साथ हुई सामूहिक दुष्कर्म की घटना पर लातेहार जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने गहरा आक्रोश और दुख व्यक्त किया है। उन्होंने इस अमानवीय, शर्मनाक और निंदनीय घटना की कड़े शब्दों में भर्त्सना की है। अनीता देवी ने कहा कि यह घटना केवल दो बेटियों के साथ अपराध नहीं, बल्कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और मानवता पर गंभीर हमला है। उन्होंने कहा एक महिला और जनप्रतिनिधि होने के नाते इस वीभत्स घटना से मन अत्यंत व्यथित है। हमारी बेटियों के साथ हुई इस दरिंदगी को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। दुख की इस घड़ी में पूरा लातेहार जिला पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है। उन्होंने सरकार एवं प्रशासन से मांग की कि मामले में शामिल सभी आरोपियों को अविलंब गिरफ्तार कर कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से कराते हुए दोषियों को ऐसी सजा दिलाई जाए, जो समाज में अपराधियों के लिए कड़ा संदेश बने। अनीता देवी ने पीड़ित परिवार को तत्काल सुरक्षा, न्यायिक सहायता तथा सम्मानजनक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की भी मांग की है। उन्होंने कहा कि बेटियों की सुरक्षा केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि समाज और सरकार दोनों की सर्वोच्च जिम्मेदारी है।

शिक्षा विभाग के कार्यालयों में कार्यरत लिपिकों के स्थानांतरण के निर्देश

जमशेदपुर : झारखंड के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने शिक्षा विभाग के कार्यालयों में कार्यरत लिपिकों के स्थानांतरण और प्रतिनियोजन को लेकर नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। माध्यमिक शिक्षा निदेशक द्वारा जारी पत्र के अनुसार, एक ही कार्यालय में तीन वर्ष या उससे अधिक समय से जमे लिपिकों का अनिवार्य रूप से तबादला किया जाएगा। इसके अलावा, पिछले 12 वर्षों में कुल 8 वर्ष एक ही जिले में बिताने वाले या पिछले 6 वर्षों से लगातार एक ही जिले में तैनात कर्मियों को प्रमंडल के अंतर्गत दूसरे जिलों में स्थानांतरित किया जाएगा। गड़बड़ियों और शिकायतों को रोकने के लिए जारी इन नियमों का कड़ाई से पालन करते हुए 15 दिनों के भीतर अनुपालन रिपोर्ट निदेशालय को सौंपने का आदेश दिया गया है।

लायंस क्लब ऑफ जमशेदपुर की 68वीं चार्टर नाइट संपन्न

अतिथियों ने सेवा और समर्पण की गौरवशाली यात्रा को सराहा

संवाददाता

जमशेदपुर : लायंस क्लब ऑफ जमशेदपुर की 68वीं चार्टर नाइट एवं वार्षिक उत्सव समारोह हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित विशिष्ट अतिथियों, वरिष्ठ सदस्यों एवं लायन साथियों ने क्लब की 67 वर्षों की गौरवशाली सेवा यात्रा की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी और उपलब्धियों से परिपूर्ण बताया।

समारोह को संबोधित करते हुए क्लब अध्यक्ष ने कहा कि चार्टर नाइट केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और मानवीय मूल्यों पर आधारित उस विरासत का सम्मान है, जिसे लायंस क्लब ऑफ जमशेदपुर ने वर्ष 1959 से आज तक संजोकर रखा है। उन्होंने कहा कि संस्था के संस्थापकों के आदर्श और समर्पण ही क्लब की सबसे बड़ी पूंजी हैं, जो आज भी समाज सेवा के कार्यों में प्रेरणा प्रदान कर रहे हैं।

कार्यक्रम में बताया गया कि वर्ष 1959 में टाटा स्टील के सहयोग से 33 चार्टर सदस्यों के साथ बेल्डीह क्लब में लायंस क्लब ऑफ जमशेदपुर की स्थापना हुई थी। इस अवसर पर टाटा स्टील के वरिष्ठ अधिकारी श्री सुंदरा रामम की उपस्थिति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। वहीं श्री आर.के. सिंह के योगदान की भी सराहना की गई, जिन्होंने क्लब की नियमित आय के स्रोत विकसित करने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

वक्ताओं ने कहा कि बीते वर्ष क्लब ने मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, दिव्यांग बच्चों की सहायता, वृद्धाश्रम एवं पालना घरों में सेवा कार्य, वृक्षारोपण, जल संरक्षण और सामाजिक कल्याण की अनेक योजनाओं को सफलतापूर्वक संचालित किया। क्लब का फूड बैंक जरूरतमंद परिवारों के लिए आशा का केंद्र बना हुआ है, जबकि वर्षों पुराना आर्टिफिशियल लिम्ब सेंटर आज भी दिव्यांगजनों के जीवन में नई उम्मीद जगा रहा है।

समारोह के दौरान क्लब की 67 वर्षों की यात्रा पर आधारित स्मारिका का भी लोकार्पण किया गया। वक्ताओं ने बताया कि स्मारिका केवल शब्दों और चित्रों का संग्रह नहीं, बल्कि संस्था की उपलब्धियों, भावनाओं और सेवा यात्रा का जीवंत दस्तावेज है। इसके प्रकाशन में पूर्व अध्यक्ष अजय पांडेय, पीपी लायन मुरलीधर केडिया तथा संपादकीय टीम के योगदान की विशेष सराहना की गई। एमजेएफ लायन डॉ. के.टी. भटेना सहित पूरी संपादकीय टीम को उनके समर्पण और परिश्रम के लिए सम्मानित किया गया।

अपने संबोधन में अध्यक्ष ने सभी वरिष्ठ सदस्यों, पदाधिकारियों एवं क्लब सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लायंस क्लब की असली ताकत उसका ₹लायन परिवार₹ है, जहां सेवा में प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि सहयोग की भावना सर्वोपरि है। उन्होंने समाज के प्रति निस्वार्थ सेवा, विनम्र नेतृत्व और बेहतर भविष्य निर्माण का संकल्प दोहराते हुए कहा कि संस्था की विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का प्रकाश बनेगी। समारोह का समापन धन्यवाद ज्ञापन और समाज सेवा के नए संकल्पों के साथ हुआ। उपस्थित अतिथियों ने लायंस क्लब ऑफ जमशेदपुर को समाज के लिए गौरव एवं नई दिशा देने वाला संगठन बताते हुए इसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।